How To Worship Maa Baglamukhi ?

(मां बगलामुखी पूजा विधि)

Shri Yogeshwaranand Ji
+919917325788, +919410030994
shaktisadhna@yahoo.com
www.anusthanokarehasya.com
www.baglamukhi.info

किसी भी साधना को प्रारम्भ करने से पहले गुरू का चयन करना परम आवश्यक है। इसलिए सर्वप्रथम अपने गुरू का चयन करें और उनसे दीक्षा लेकर उनकी आज्ञानुसार ही साधना सम्पन्न करें। बिना गुरू के पुस्तकों से पढ़कर कभी भी साधना एवं मन्त्र-जप नहीं करना चाहिए अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि भी हो सकती है। किसी भी व्यक्ति को अपने गुरू, अपने मन्त्र एवं अपने इष्ट-देवता पर पूर्ण विश्वास रखते हुए समर्पण भाव से साधना सम्पन्न करनी चाहिए ।

भगवती बगलामुखी (पीताम्बरा) साधना-विधि

भगवती की साधना करने का विशिष्ट समय रात्रिकाल माना गया है इसलिए यदि हो सके तो रात्रि ६ बजे से २ बजे के बीच ही अपनी साधना करनी चाहिए । लेकिन यदि ऐसा सम्भव न हो सके तो अपने समय की स्थिति के अनुसार समय निर्धारण कर लेना चाहिए, क्योंकि कुछ ना करने से अच्छा कुछ कर लेना है।

यह साधना घर में रहकर ही सम्पन्न की जा सकती है। साधना का स्थान शान्त एवं मनोरम होना चाहिए । साधना में बैठने से

पूर्व स्नान कर लें यदि सम्भव ना हो तो हाथ-पैर धो सकते हैं। इस प्रकार बाह्य रूप से अपने आप को पवित्र कर लें। फिर पीले रंग का आसन बिछायें और स्वयं भी पीले वस्त्र धारण करें ।

इसके उपरान्त आसन पर बैठ जायें और मानसिक शुद्धि के लिए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करें। अपने शरीर पर थोड़ा सा जल छिड़कें-

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ।।
अतिनील घनश्यामं नलिनायतलोचनम् ।
स्मरामि पुण्डरीकाक्षं तेन स्नातो भवाम्यहम् ।।

इसके पश्चात आचमन करें ।

सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ केशवाय नमः ।

पुनः सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ नाराणाय नमः ।

पुनः सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ माधवाय नमः ।

यह मन्त्र पढ़ते हुए हाथ धो लें ।

ॐ हृषीकेशाय नमः ।

इसके पश्चात आसन के नीचे हल्दी से एक त्रिकोण बनायें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए प्रणाम करें-

ॐ कामरूपाय नमः।

इसके पश्चात अपने आसन पर थोड़ा सा जल छिड़कें और निम्नलिखित मन्त्र पढ़ें-

ॐ पृथ्वि ! त्वया धृता लोका देवि ! त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां नित्यं ! पवित्रं कुरू चासनम् ।।

यह मन्त्र पढ़ते हुए आसन को प्रणाम करें-

क्लीं आधार शक्त्यै कमलासनाय नमः।

इसके बाद मूल मंत्र से १:८:४ के अनुपात से अनुलोम-विलोम प्राणायाम करें। अर्थात् एक मूल मंत्र से पूरक, आठ मंत्रों से कुम्भक तथा चार मंत्रों से रेचक करें। यह क्रिया जितनी अधिक से अधिक की जा सके, उतना ही अच्छा है।

अब अपने गुरू का ध्यान करते हुए उनकी वन्दना करें-

अखण्ड मण्डलाकारं व्यापतं येन चराचरम् ।
तत पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरूवे नमः ।।
अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानांजन शलाक्या ।
चक्षुरून्मीलितं येन तस्मै श्री गुरूवे नमः ।।
देवतायाः दर्शनं च करूणा वरूणालयं ।
सर्व सिद्धि प्रदातारं श्री गुरूं प्रणमाम्यहम् ।।
वराभय कर नित्यं श्वेत पद्म निवासिनं ।
महाभय निहन्तारं गुरू देवं नमाम्यहम् ।।

इसके उपरांत श्रीनाथ, गणपति, भैरव आदि का ध्यान करके उन्हें नमन करें, क्योंकि इनकी कृपा के अभाव में कोई भी साधना पूर्ण नहीं होती है-

श्री नाथादि गुरू त्रयं गणपतिं पीठ त्रयं भैरवं,
सिद्धौघं बटुक त्रयं पदयुगं दूतिक्रमं मण्डलम्।
वीरान्द्वयष्ट चतुष्कषष्टिनवकं वीरावली पंचकम्,
श्रीमन्मालिनि मंत्रराज सहितं वन्दे गुरोर्मण्डलम्।।
वन्दे गुरूपद-द्वन्द्ववांग-मन-सगोचरम्,

रक्त शुक्ल-प्रभा-मिश्रं-तर्क्यं त्रैपुरं महः !

गुरूदेव का ध्यान करने के उपरान्त निम्नांकित मंत्रों से देवी-देवताओं को नमस्कार करें-

ॐ श्री गुरूवे नमः ।

ॐ क्षं क्षेत्रपालाय नमः ।

ॐ वास्तु पुरूषाय नमः ।

ॐ विघ्न राजाय नमः ।

ॐ दुर्गाय नमः ।

ॐ विघ्न राजाय नमः ।

ॐ शम्भु शिवाय नमः ।

ॐ भैरवाय नमः ।

ॐ बटुकाये नमः ।

ॐ ब्रह्माये नमः ।

ॐ नैर्ऋतिये नमः ।

ॐ चक्रपाणाये नमः ।

ॐ विघ्न नाथाये नमः ।

ॐ ऋष्यै नमः ।

ॐ देवताये नमः ।

ॐ वेद शास्त्राये नमः ।

ॐ वेदार्थाय नमः ।

ॐ पुराणाये नमः ।

ॐ ब्राह्मणाये नमः ।

ॐ योगिन्यौ नमः ।

ॐ दिक्पालायै नमः ।

ॐ सिद्धपीठायै नमः ।

ॐ तीर्थायै नमः ।

ॐ मंत्र-तंत्र-यंत्रायै नमः ।

ॐ मातृकायै नमः ।

ॐ पंचभूतायै नमः ।

ॐ महाभूतायै नमः ।

ॐ सर्वेभ्यो देवेभ्यो नमः ।

ॐ सर्वाभ्यो देवीभ्यो नमः ।

ॐ सर्वेभ्यो ऋषिभ्यो नमः ।

इसके पश्चात भैरव जी से भगवती की आराधना करने की अनुमति लें
तीक्ष्णदन्त महाकाय कल्पान्तदहनोपम ।
भैरवाय नमस्तुभ्यम् अनुज्ञां दातुमर्हसि ।।

अब दस बार मुखशोधन मंत्र ऐं ह्रीं ऐं का जाप करें
इसके पश्चात बगलामुखी कुल्लुका ओम् स्त्रीं का दस बार सिर पर जाप करें ।

इसके पश्चात मां का ध्यान करें

ध्यान

वादी मूकति रंकति क्षितिपतिर्वैश्वानरः शीतति।
क्रोधी शान्तति दुर्जनः सुजनति क्षिप्रानुगः खंजति।।
गर्वी खवर्ति सर्व विच्च जडति त्वद्यन्त्राणा यंत्रितः।
श्रीनित्ये बगलामुखि! प्रतिदिनं कल्याणि! तुभ्यं नमः।।

अब उनका आवाहन करें और उन्हे आसन प्रदान करें । इसके पश्चात मां का पंचोपचार अथवा शोडषोपचार पूजन करें। यह पूजन मानसिक रूप से भी किया जा सकता है । अब कवच का पाठ करें

Baglamukhi Kavach

ध्यान

सौवर्णासनसंस्थितां त्रिनयनां पीताशुकोल्लासिनीम् ।
हेमाभांगरुचिं शशांकमुकुटां सच्चम्पकस्रग्युताम् ।।
हस्तैर्मुदगर पाशवज्ररसनाः संबिभ्रतीं भूषणैः।
व्याप्तागीं बगलामुखीं त्रिजगतां संस्तम्भिनीं चिन्तयेत्।।

विनियोगः

ॐ अस्य श्रीबगलामुखीब्रह्मास्त्रमन्त्रकवचस्य भैरव ऋषिः, विराट् छन्दः श्रीबगलामुखी देवता, क्लीं बीजम्, ऐं शक्तिः, श्रीं कीलकं, मम परस्य च मनोभिलाषितेष्टकार्यसिद्धये विनियोगः ।

न्यास

शिरसि भैरव ऋषये नमः
मुखे विराट छन्दसे नमः
हृदि बगलामुखीदेवतायै नमः

गुह्ये क्लीं बीजाय नमः
पादयो ऐं शक्तये नमः
सर्वांगे श्रीं कीलकाय नमः
ॐ ह्लां अंगुष्ठाभ्यां नमः
ॐ ह्लीं तर्जनीभ्यां नमः
ॐ ह्लूं मध्यमाभ्यां नमः
ॐ ह्लैं अनामिकाभ्यां नमः
ॐ ह्लौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः
ॐ ह्लः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः
ॐ ह्लां हृदयाय नमः
ॐ ह्लीं शिरसे स्वाहा
ॐ ह्लूं शिखायै वषट्
ॐ ह्लैं कवचाय हुम
ॐ ह्लौं नेत्रत्रयाय वौषट्
ॐ ह्लः अस्त्राय फट्

मन्त्रोद्धारः

ॐ ह्लीं ऐं श्रीं क्लीं श्रीबगलानने मम रिपून् नाशय नाशय मामैश्वर्याणि देहि देहि, शीघ्रं मनोवाञ्छितं कार्यं साधय साधय ह्लीं स्वाहा।

कवच

शिरो मे पातु ॐ ह्लीं ऐं श्रीं क्लीं पातु ललाटकम् ।
सम्बोधनपदं पातु नेत्रे श्री बगलानने ।।1।।
श्रुतौ मम् रिपुं पातु नासिकां नाशयद्वयम् ।
पातु गण्डौ सदा मामैश्वर्याण्यन्तं तु मस्तकम् ।।2।।
देहि द्वन्द्वं सदा जिहवां पातु शीघ्रं वचो मम ।

कण्ठदेशं मनः पातु वाञ्छितं बाहुमूलकम् ।।3।।
कार्यं साधयद्वन्द्वं तु करौ पातु सदा मम ।
मायायुक्ता यथा स्वाहा हृदयं पातु सर्वदा ।।4।।
अष्टाधिकचत्वारिंशदण्डाढया बगलामुखी ।
रक्षां करोतु सर्वत्र गृहेऽरण्ये सदा मम ।।5।।
ब्रह्मास्त्राख्यो मनुः पातु सर्वांगे सर्वसन्धिषु ।
मन्त्रराजः सदा रक्षां करोतु मम सर्वदा ।।6।।
ॐ ह्लीं पातु नाभिदेशं कटिं मे बगलाऽवतु ।
मुखिवर्णद्वयं पातु लिगं मे मुष्कयुग्मकम् ।।7।।
जानुनी सर्वदुष्टानां पातु मे वर्णपञ्चकम् ।
वाचं मुखं तथा पादं षड्वर्णाः परमेश्वरी ।।8।।
जंघायुग्मे सदापातु बगला रिपुमोहिनी ।
स्तम्भयेति पदं पृष्ठं पातु वर्णत्रय मम ।।9।।
जिह्वावर्णद्वयं पातु गुल्फौ मे कीलयेति च ।
पादोर्ध्वं सर्वदा पातु बुद्धिं पादतले मम ।।10।।
विनाशयपदं पातु पादांगुल्योर्नखानि मे ।
ह्लीं बीजं सर्वदा पातु बुद्धिन्द्रियवचांसि मे ।।11।।
सर्वांगं प्रणवः पातु स्वाहा रोमाणि मेऽवतु ।
ब्राह्मी पूर्वदले पातु चाग्नेय्यां विष्णुवल्लभा ।।12।।
माहेशी दक्षिणे पातु चामुण्डा राक्षसेऽवतु ।
कौमारी पश्चिमे पातु वायव्ये चापराजिता ।।13।।
वाराही च उत्तरे पातु नारसिंही शिवेऽवतु ।
ऊर्ध्वं पातु महालक्ष्मीः पाताले शारदाऽवतु ।।14।।
इत्यष्टौ शक्तयः पान्तु सायुधाश्च सवाहनाः ।
राजद्वारे महादुर्गे पातु मां गणनायकः ।।15।।
श्मशाने जलमध्ये च भैरवश्च सदाऽवतु ।

द्विभुजा रक्तवसनाः सर्वाभरणभूषिताः ।।16।।
योगिन्यः सर्वदा पान्तु महारण्ये सदा मम ।

फलश्रुति

इति ते कथितं देवि कवचं परमाद्भुतम् ।।17।।
श्रीविश्वविजयं नाम कीर्तिश्रीविजयप्रदाम् ।
अपुत्रो लभते पुत्रं धीरं शूरं शतायुषम् ।।18।।
निर्धनो धनमाप्नोति कवचास्यास्य पाठतः ।
जपित्वा मन्त्रराजं तु ध्यात्वा श्री बगलामुखीम् ।।19।।
पठेदिदं हि कवचं निशायां नियमात् तु यः ।
यद् यत् कामयते कामं साध्यासाध्ये महीतले ।।20।।
तत् तत् काममवाप्नोति सप्तरात्रेण शंकरि ।
गुरुं ध्यात्वा सुरां पीत्वा रात्रो शक्तिसमन्वितः ।।21।।
कवचं यः पठेद् देवि तस्यासाध्यं न किञ्चन ।
यं ध्यात्वा प्रजपेन्मन्त्रं सहस्त्रं कवचं पठेत् ।।22।।
त्रिरात्रेण वशं याति मृत्योः तन्नात्र संशयः ।
लिखित्वा प्रतिमां शत्रोः सतालेन हरिद्रया ।।23।।
लिखित्वा हृदि तन्नाम तं ध्यात्वा प्रजपेन् मनुम् ।
एकविंशददिनं यावत् प्रत्यहं च सहस्त्रकम् ।।24।।
जपत्वा पठेत् तु कवचं चतुर्विंशतिवारकम्।
संस्तम्भं जायते शत्रोर्नात्र कार्या विचारणा।।25।।
विवादे विजयं तस्य संग्रामे जयमाप्नुयात् ।
श्मशाने च भयं नास्ति कवचस्य प्रभावतः ।।26।।
नवनीतं चाभिमन्त्रय स्त्रीणां दद्यान्महेश्वरि ।
वन्ध्यायां जायते पुत्रो विद्याबलसमन्वितः ।।27।।
श्मशानांगारमादाय भौमे रात्रौ शनावथ ।
पादोदकेन स्पृष्ट्वा च लिखेत् लोहशलाकया ।।28।।

भूमौ शत्रोः स्वरुपं च हृदि नाम समालिखेत् ।
हस्तं तद्धृदये दत्वा कवचं तिथिवारकम् ।।29।।
ध्यात्वा जपेन् मन्त्रराजं नवरात्रं प्रयत्नतः ।
म्रियते ज्वरदाहेन दशमेंऽहनि न संशयः ।।30।।
भूर्जपत्रेष्विदं स्तोत्रमष्टगन्धेन संलिखेत् ।
धारयेद् दक्षिणे बाहौ नारी वामभुजे तथा ।।31।।
संग्रामे जयमप्नोति नारी पुत्रवती भवेत् ।
सम्पूज्य कवचं नित्यं पूजायाः फलमालभेत् ।।32।।
ब्रह्मास्त्रादीनि शस्त्राणि नैव कृन्तन्ति तं जनम् ।
वृहस्पतिसमो वापि विभवे धनदोपमः ।।33।।
कामतुल्यश्च नारीणां शत्रूणां च यमोपमः ।
कवितालहरी तस्य भवेद् गंगाप्रवाहवत् ।।34।।
गद्यपद्यमयी वाणी भवेद् देवी प्रसादतः ।
एकादशशतं यावत् पुरश्चरणमुच्यते ।।35।।
पुरश्चर्याविहीनं तु न चेदं फलदायकम् ।
न देयं परशिष्येभ्यो दुष्टेभ्यश्च विशेषतः ।।36।।
देयं शिष्याय भक्ताय पञ्चत्वं चान्यथाऽऽप्नुयात् ।
इदं कवचमज्ञात्वा भजेद् यो बगलामुखीम् ।।37।।
शतकोटिं जपित्वा तु तस्य सिद्धिर्न जायते ।
दाराढयो मनुजोऽस्य लक्षजपतः प्राप्नोति सिद्धिं परां ।।38।।
विद्यां श्रीविजयं तथा सुनियतं धीरं च वीरं वरम् ।
ब्रह्मास्त्राख्यमनुं विलिख्य नितरां भूर्जेऽष्टगन्धेन वै ।।39।।
धृत्वा राजपुरं व्रजन्ति खलु ते दासोऽस्ति तेषां नृपः ।

इति श्रीविश्वसारोद्धारतन्त्रे पार्वतीश्वरसंवादे
बगलामुखी कवचम्
सम्पूर्णम्

यहां तक की पूजा भगवती के सभी मंत्रो के लिए समान होती है । इसके पश्चात भिन्न भिन्न मंत्रो की अलग अलग विधियां है ।

Ma Baglamukhi Beej Mantra Sadhana Vidhi
माँ बगलामुखी बीज मंत्र (एकाक्षरी मंत्र) साधना विधि

मां बगलामुखी के प्रत्येक साधक को अपनी साधना बीज मन्त्र से ही प्रारम्भ करनी चाहिये । सर्वप्रथम अपने गुरू देव से इस मन्त्र की दीक्षा प्राप्त करनी चाहिये। उसके उपरान्त साधना सम्बन्धी सभी नियमो का पालन करते हुए इस मन्त्र का हल्दी की माला से एक लक्ष जाप करना चाहिये । जाप के पश्चात दस हजार मन्त्रो से हवन एक हजार मन्त्रो से तर्पण १०० मन्त्रो से मार्जन तथा अन्त में ग्यारह ब्राहमणो को भोजन कराना चाहिये। इस प्रकार एक लाख का पुरश्चरण पूर्ण हो जाता है। इस प्रकार गुरू आदेशानुसार अपना अनुष्ठान सम्पन्न करना चाहिये। मा पीताम्बरा की साधना में एक बात ध्यान रखनी बहुत ही आवश्यक है कि मां पीताम्बरा की पूजा प्रारम्भ करने से पहले भैरव जी से आज्ञा अवश्य लेनी चाहिये एवं मां पीताम्बरा की कुल्लुका ॐ स्त्रीं का सिर पर दस बार जाप तथा ऐं ह्रीं ऐं का दस बार जाप अवश्य करना चाहिए। पूजा समाप्त करने के बाद मृत्युजंय मन्त्र हौं जूं सः का जाप अवश्य करना चाहिये। प्रत्येक दिन जाप आरम्भ करने से पहले विनियोग करें एवं उसके पश्चात न्यास ध्यान एवं कवच करने के पश्चात ही मन्त्र जाप प्रारम्भ करें ।

मन्त्रः-   ह्ल्रीं   (Hlreem)

दाहिने हाथ में जल लेकर विनियोग करें।

विनियोग

ॐ अस्य एकाक्षरी बगला मंत्रस्य ब्रह्म ऋषिः, गायत्री छन्दः, बगलामुखी देवताः, लं बीजं, ह्रीं शक्ति, ईं कीलकं, मम सर्वार्थ सिद्धयर्थे जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यासः-

ॐ ब्रह्म ऋषये नमः शिरसि।
गायत्री छंदसे नमः मुखे।
श्री बगलामुखी देवतायै नमः हृदि।
लं बीजाय नमः गुह्ये।
ह्रीं शक्तये नमः पादयोः।
ईं कीलकाय नमः सर्वांगे।
श्री बगलामुखी देवताम्बा प्रीत्यर्थे जपे विनियोगाय नमः अंजलौ।

षडंगन्यासः-

ॐ ह्लां हृदयाय नमः।
ॐ ह्लीं शिरसे स्वाहा।
ॐ ह्लूं शिखाय वषट्।
ॐ ह्लैं कवचाय हूं।
ॐ ह्लौं नेत्र त्रयाय वौषट्।
ॐ ह्लः अस्त्राय फट्।

<u>करन्यासः-</u>

ॐ ह्लां अंगुष्ठाभ्यां नमः।
ॐ ह्लीं तर्जनीभ्यां स्वाहा।
ॐ ह्लूं मध्यमाभ्यां वषट्।
ॐ ह्लैं अनामिकाभ्यां हूं।
ॐ ह्लौं कनिष्ठिकाभ्यां वौषट्।
ॐ ह्लः करतल-कर-पृष्ठाभ्यां फट्।

अब ह्ल्रीं मंत्र का संकल्प के अनुसार जप करना चाहिए ।
जप के पश्चात मृत्युजंय मंत्र हौं जूं सः का जाप करना चाहिए ।

Ma Baglamukhi Mool Mantra S adhana Vidhi

मां बगलामुखी मूल मंत्र (36 अक्षरी मन्त्र) साधना विधि

ॐ मध्ये सुधाब्धि-मणि-मण्डप-रत्न-वेद्यां।
सिंहासनो-परिगतां परिपीत वर्णाम्।।
पीताम्बरा-भरण-माल्य-विभूषितांगीं।
देवीं भजामि धृत मुद्गर वैरि जिह्वाम् ।।
जिह्वाग्रमादाय करेण देवीं ! वामेन् शत्रून् परिपीडयंतीम्
गदाभिघातेन् च दक्षिणेन्, पीताम्बराढ्यां द्विभुजां नमामि ।।

मन्त्रोद्धार

प्रणवं स्थिरमायां च ततश्च बगलामुखीम् ।
तदन्ते सर्व दुष्टानां ततो वाचं मुखं पदं ।।
स्तम्भयेति ततो जिहवां कीलयेति पद्वयम् ।
बुद्धिं नाशय पश्चात्तु स्थिरमायां समालिखेत् ।।
लिखेच्च पुनरोंकार स्वाहेति पदमन्ततः ।
षटत्रिंशदक्षरी विद्या सर्वसम्पतकरी मता ।

विनियोग

सीधे हाथ में जल लेकर मंत्र पढें

ॐ अस्य श्री बगलामुखी मन्त्रस्य नारदऋषि त्रिष्टुप छन्दः बगलामुखी देवता, ह्लीं बीजम् स्वाहा शक्तिः ममाभिष्ट सिद्धयर्थे जपे विनियोगः ।

ऋष्यादिन्यास

नारद ऋषये नमः शिरसि । (सिर पर दाहिने हाथ से छुएं)
त्रिष्टुप छन्दसे नमः मुखे । (मुंह को छुएं)
बगलामुखी देवतायै नमः हृदि । (हृदय को छुएं)
ह्लीं बीजाय नमः गुह्ये । (गुह्यांग पर स्पर्श करें)
स्वाहा शक्तये नमः पादयो । (पैरो को स्पर्श करें)

करन्यास

ॐ ह्लीं अंगुष्ठाभ्यां नमः ।   (दोनो हाथो के अंगुठो को मिलायें)

बगलामुखी तर्जनीभ्यां स्वाहा ।   (दोनो हाथो की प्रथम अंगुली को मिलायें)

सर्व दुष्टानां मध्यमाभ्यां वषट् ।   (दोनो हाथो की मध्यमा अंगुली को मिलायें)

वाचं मुखं पदं स्तम्भय अनामिकाभ्यां हुम् । (दोनो हाथो की अनामिका अंगुली को मिलायें)

जिहवां कीलय कनिष्ठिकाभ्यां वौषट् । (दोनो हाथो की कनिष्ठिका अंगुली को मिलायें)

बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा । (दोनों हथेलियों के आगे व पीछे के भागों का स्पर्श करें)

हृदयायदि न्यास

ॐ ह्लीं हृदयाय नमः ।   (हृदय को दाहिने हाथ से स्पर्श करें)

बगलामुखी शिरसे स्वाहा ।   (सिर का स्पर्श करें)

सर्व दुष्टानां शिखायै वषट् ।   (शिखा का स्पर्श करें)

वाचं मुखं पदं स्तम्भय कवचाय हुम् । (दायें हाथ से बायें कन्धें को एवं बायें हाथ से दायें कन्धें को एक साथ स्पर्श करें)

जिहवां कीलय् नेत्र त्रयाय वौषट ।   (तीनों नेत्रो का स्पर्श करें)

बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा अस्त्राय फट् (सिर के पीछे से तीन बार चुटकी बजाते हुये घड़ी की दिशा मे हाथ आगे लेकर आयें उसके बाद तर्जनी व मध्यमा से तीन बार ताली बजायें)

बगलामुखी मूल मंत्र (Baglamukhi Mool Mantra)
ॐ ह्ल्रीं बगलामुखि सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुंद्धिं विनाशय ह्ल्रीं ॐ स्वाहा।

OM HLREEM BAGALAMUKHI SARVA DUSHTANAM VACHAM MUKHAM PADAM STAMBHAYA JIVHAM KEELAYA BUDDHIM VINASHAYA HLREEM OM SWAHA

For Pronounciation of mantra visit
http://www.youtube.com/watch?v=Fwekx1hDarA

मां पीताम्बरा के अन्य पाठ

बगलामुखी कवच **(Baglamukhi Kavach)**

श्री भैरवी उवाच :–
श्रुत्वा च बगलापूजां स्तोत्रं चापि महेश्वर ।
इदानीं श्रोतुमिच्छामि कवच वदः मे प्रभो ।।
वैरिनाशकरं दिव्यं सर्वाशुभविनाशनम् ।
शुभदं स्मरणात् पुण्यं, त्राहि मां दुःखनाशन ।।
श्री भैरव उवाच :–
कवचं शृणु वक्ष्यामि भैरवि प्राणवल्लभे ! ।
पठित्वां धारयित्वां तु त्रैलोक्ये विजयी भवेत् ।।

विनियोग :–

ॐ अस्य श्री बगलामुखी कवचस्य नारद ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्री बगलामुखी देवता, लं बीजं, ईं शक्तिं, ऐं कीलकम् , पुरूषार्थ चतुष्टये जपे विनियोगः ।

शिरो मे बगला पातु हृदयमेकाक्षरी परा ।
ॐ ह्रीं ॐ मे ललाटे च बगला वैरिनाशिनी ।।
गदाहस्ता सदा पातु मुखं मे मोक्षदायिनी ।
वैरिजिह्वा धरा कण्ठं मे बगलामुखी ।।
उदरं नाभिदेशं च पातु नित्यं परात् परा ।
परात् परतरा पातु मम गुह्यम सुरेश्वरी ।।
हस्तौ चैव तथा पातु पार्वती परिपातु मे ।
विवादे विषमे घोरे संग्रामे रिपुसंकटे ।।
पीताम्बरधरा पातु सर्वांगं शिवनर्तकी ।
श्रीविद्या समयं पातु मातंगी पूरिता शिवा ।।
पातु पुत्रं सुतां चैव कलत्रं कालिका मम ।
पातु नित्यं भ्रातरं मे पितरं शूलिनी सदा ।।
रन्ध्रे हि बगलादेव्याः कवच मन्मुखोदितम् ।
न वै देयममुख्याय सर्वसिद्धिप्रदायकम् ।।
पठनाद् धारणादस्य पूजनाद् वांछितं लभेत् ।
इदं कवचं ज्ञात्वा यो जपेद् बगलामुखीम् ।।
पिवन्ति शोणितं तस्य योगिन्यः प्राप्य सादरा ।
वश्ये चाकर्षणे चैव मारणे मोहने तथा ।।

महाभये विपत्तौ च पठेद् वा पाठये तु य :।
तस्य सर्वार्थसिद्धिः स्याद् भक्तियुक्तस्य पार्वति ।।

अष्टोत्तर शतनाम

108 Names of Ma Baglamukhi

विनियोग **:**

अस्य श्रीपीताम्बर्य अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रस्य, सदा शिव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, श्री पीताम्बरी देवता, श्री पीताम्बरी प्रीतये जपे विनियोगः ।

पाठ

ॐ बगला विष्णु –वनिता विष्णु शंकर–भामिनी।
बहुला वेदमाता च महाविष्णु–प्रसुरपि ।।1।।
महामत्स्या महाकूर्मा महावाराह–रूपिणी ।
नरसिंह प्रिया रम्या वामना बटुरूपिणी ।।2।।
जामदग्न्य–स्वरूपा च रामा राम प्रपूजिता ।
कृष्णा कपर्दिनी कृत्या कलहा कलविकारिणी ।।3।।
बुद्धिरूपा बुद्धभार्या बौद्धपाखण्ड–खण्डिनी ।
कल्किरूपा कलिहारा कलिदुर्गति–नाशिनी ।।4।।
कोटिसूर्य–प्रतिकाशा कोटि कन्दर्प–मोहिनी ।
केवला कठिना काली कला कैवल्यदायिनी ।।5
केशवी केशवाराध्या किशोरी केशवस्तुता ।
रूद्ररूपा रूद्रमूर्ति रूद्राणी रूद्रदेवता ।।6।।

नक्षत्ररूपा नक्षत्रा नक्षत्रेश–प्रपूजिता ।
नक्षत्रेशप्रिया नित्या नक्षत्रपति–वन्दिता ।।7।।
नागिनी नागजननि नागराज प्रवन्दिता ।
नागेश्वरी नागकन्या नागरी च नगात्मजा ।।8।।
नगाधिराज–तनया नगराज–प्रपूजिता ।
नवीना नीरदा पीता श्यामा सौन्दर्यकारिणी ।।9।।
रक्ता नीला घना शुभ्रा श्वेता सौभाग्यदायिनी ।
सुन्दरी सौभगा सौम्या स्वर्णभा स्वर्गतिप्रदा ।।10।।
रिपुत्रासकरी रेखा शत्रु संहारकारिणी ।
भामिनी च तथा माया स्तम्भिनी मोहिनी शुभा।।12।।
रागध्वंसकरी रात्रि रौरव–ध्वसंकारिणी ।
यक्षिणी सिद्धनिवहा सिद्धेशा सिद्धिरूपिणी ।।13।।
लंकापति–ध्वसंकरी लंकेशरिपु–वन्दिता ।
लंकानाथ – कुलहरा महारावणहारिणी ।।14।।
देव–दानव–सिद्धौघ–पूजिता परमेश्वरी ।
पराणुरूपा परमा परतन्त्रविनाशिनी ।।15।।
वरदा वरदाराध्या वरदान–परायणा ।
वरदेशप्रिया वीरा वीरभूषण–भूषिता ।।16।।
वसुदा बहुदा वाणी ब्रह्मरूपा वरानना ।
बलदा पीतवसना पीतभूषण–भूषिता ।।17।।
पीतपुष्प–प्रिया पीतहारा पीतस्वरूपिणी
माँ पीताम्बरायै नमः ।।18।।

(Baglamukhi Mala Mantra)
बगलामुखी माला मंत्र

पाठ

ॐ नमो भगवती ॐ नमो वीर प्रताप विजय भगवति बगलामुखि मम सर्व निन्दकानां सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय–स्तम्भय ब्राह्मीं मुद्रय–मुद्रय, बुद्धिं विनाशय–विनाशय, अपरबुद्धिं कुरू–कुरू, आत्मविरोधिनां शत्रुणां शिरो–ललाट–मुख–नेत्र–कर्ण–नासिकोरू–पद–अणुरेशु–दन्तोष्ठ –जिह्वां–तालु–गुह्य–गुद–कटि–जानू–सर्वांगेषु–केशादिपादपर्यन्तं–पादादिकेशपर्यन्तं स्तम्भय स्तम्भय, खें खीं मारय मारय परमन्त्र परयन्त्र परतन्त्राणि छेदय–छेदय, आत्ममन्त्र–यन्त्र–तन्त्राणि रक्ष–रक्ष, ग्रहं निवारय–निवारय, व्याधिं विनाशय–विनाशय, दुःखं हर–हर, दारिद्रयं निवारय–निवारय, सर्वमन्त्र स्वरूपिणी, सर्वतन्त्रस्वरूपिणी, सर्वशिल्प प्रयोग स्वरूपिणी, सर्व तत्व स्वरूपिणी, दुष्ट ग्रह–भूतग्रह–आकाशग्रह–पाषाणग्रह–सर्वचाण्डाल ग्रह–यक्ष किन्नर किम्पुरूष ग्रह, भूत प्रेत पिशाचानां शाकिनी डाकिनी ग्रहाणां पूर्वदिशां बन्धय–बन्धय, वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, दक्षिण दिशां बन्धय–बन्धय किरातवार्ताली मां रक्ष–रक्ष, पश्चिम दिशां बन्धय–बन्धय स्वप्न वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, उत्तर दिशां बन्धय–बन्धय कालि मां रक्ष–रक्ष, उर्ध्व दिशं बन्धय–बन्धय उग्रकालि मां रक्ष–रक्ष, पाताल दिशं बन्धय–बन्धय बगला परमेश्वरि मां रक्ष–रक्ष, सकल रोगान् विनाशय–विनाशय, सर्वशत्रु पलायनाय पंचयोजन मध्ये, राज–जन–स्त्री–वशतां कुरू–कुरू, शत्रुन् दह–दह, पच–पच, स्तम्भय–स्तम्भय,

मोहय–मोहय, आकर्षय–आकर्षय, मम शत्रून् उच्चाटय–उच्चाटय हुं फट् स्वाहा ।

ब्रह्मास्त्र माला मंत्र **BRAHMASTRA MALA MANTRA**

पाठ

ॐ नमो भगवति चामुण्ड नरकंक गृधोलूक परिवार सहिते श्मशानप्रिये नररूधिर मांस चरू भोजन प्रिये सिद्ध विद्याधर वृन्द वन्दित चरणे ब्रह्मेश विष्णु वरूण कुबेर भैरवी भैरवप्रिये इन्द्रक्रोध विनिर्गत शरीरे द्वादशादित्य चण्डप्रभे अस्थि मुण्ड कपाल मालाभरणे शीघ्र दक्षिण दिशि आगच्छ–आगच्छ मानय–मानय नुद–नुद अमुकं (अपने शत्रु का नाम लें) मारय–मारय, चूर्णय–चूर्णय, आवेशयावेशय त्रुट–त्रुट, त्रोटय–त्रोटय स्फुट–स्फुट स्फोटय–स्फोटय महाभूतान जृमीय–जृमीय ब्रह्मराक्षसान–उच्चाटयोच्चाटय भूत प्रेत पिशाचान् मूर्च्छय–मूर्च्छय मम शत्रून् उच्चाटयोच्चाटय शत्रून् चूर्णय–चूर्णय सत्यं कथय–कथय वृक्षेभ्यः सन्नाशय–सन्नाशय अर्कं स्तम्भय–स्तम्भय गरूड़ पक्षपातेन विषं निर्विषं कुरू–कुरू लीलांगालय वृक्षेभ्यः परिपातय–परिपातय शैलकाननमहीं मर्दय–मर्दय मुखं उत्पाटयोत्पाटय पात्रं पूरय–पूरय घर्घर–घर्घर ग्रासय–ग्रासय विद्रावय–विद्रावय उच्चाटयोच्चाटय विष्णु चक्रेण वरूण पाशेन इन्द्रवज्रेण ज्वरं नाशय–नाशय प्रविदं स्फोटय–स्फोटय सर्व शत्रुन् मम वशं कुरू–कुरू पातालं पृत्यंतरिक्षं आकाशग्रहं आनयानय करालि विकरालि महाकालि रूद्रशक्ते पूर्व दिशं निरोधय–निरोधय पश्चिम दिशं स्तम्भय–स्तम्भय दक्षिण दिशं निधय–निधय उत्तर दिशं बन्धय–बन्धय ह्मं ह्रीं ॐ बंधय–बंधय ज्वालामालिनी स्तम्भिनी मोहिनी मुकुट विचित्र कुण्डल नागादि वासुकी कृतहार भूषणे मेखला चन्द्रार्कहास प्रभंजने विद्युत्स्फुरित

सकाश साट्टहासे निलय–निलय हुं फट्–फट् विजृम्भित शरीरे सप्तद्वीपकृते ब्रह्माण्ड विस्तारित स्तनयुगले असिमुसल परशुतोमरक्षुरिपाशहलेषु वीरान शमय–शमय सहस्रबाहु परापरादि शक्ति विष्णु शरीरे शंकर हृदयेश्वरी बगलामुखी सर्व दुष्टान् विनाशय–विनाशय हुं फट् स्वाहा। ॐ ह्लीं बगलामुखि ये केचनापकारिणः सन्ति तेषां वाचं मुखं पदं स्तम्भय–स्तम्भय जिह्वां कीलय–कीलय बुद्धिं विनाश–विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा। ॐ ह्लीं ह्लीं हिली–हिली अमुकस्य (शत्रु का नाम लें) वाचं मुखं पदं स्तम्भय शत्रुं जिह्वां कीलय शत्रुणां दृष्टि मुष्टि गति मति दंत तालु जिह्वां बंधय–बंधय मारय–मारय शोषय–शोषय हुं फट् स्वाहा।।

....

SHRI BAGLAMUKHI-NAMARCHANA

(Offering to the Names of Shri Baglamukhi)

In the previous chapter I have given 108 names of Bhagwati Baglamukhi in the form of hymn to be recited. Here I am presenting more than 1008 names of Ma. To get the grace and pleasure of Her Highness we may use these names in two ways.

The first method is only to recite the names including the word "Namah". Here we offer to Her only respect and love saying "Namah".

In the second method we make offerings at Her lotus feet with the word "Namah". The things which may be used in offering are:

-Champak or any fragranced yellow flowers

-Dry grapes
-Almonds
-Currant,
-Yellow oleander &
-Cashew Nuts etc.

In this process we pronounce one name including NAMAH and offer one piece out of above mentioned things one by one. By this method PARAMBA (the Great Mother) showers Her grace on the devotee. Here I am not giving the translation of the names as they are to be spoken in their original form.

OM SHRI GURUVE NAMAH.
OM SHRI GANPATAYE NAMAH.

<u>VINIYOGA</u>

At first take some water in your right palm and read the following viniyoga.

ॐ श्री गुरूवे नमः ।।　　　　　　　ॐ श्री गणपतये नमः ।।

विनियोगः– ॐ अस्य श्री बगलामुखी–सहस्त्रनाम स्तोत्र–मन्त्रस्य भगवान सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, श्री जगद्वश्यकरी बगलामुखी देवता, सर्वाभिष्ट सिद्धये जपे (नामार्चने) विनियोगः ।

"Om, Asya Shri Baglamukhi-sahastra-nama-stotra-mantrasya Bhagwana Sada-Shiva rishi, anushtupa chhandah, shri Jagada-vashya-kari Baglamukhi Devata, sarva-abhishta siddaye namarchane viniyogah."

Reading this viniyoga leave the water on earth and read the following meditation:

ध्यान

सौवर्णासन संस्थितां त्रिनयनां पितांशुकोल्लासिनीम् ।
हेमाभांगरूचिं शशांक मुकुटं सच्चम्पक–स्रगयुताम्।।
हस्तैर्मुद्गर–पाश–वज्र रसनां सम्बिभ्रतीं भूषणै–,
व्र्याप्तांगीं बगलामुखि त्रिजगताम् संस्तम्भिनीं चिन्तयेत्।।

" Sovarnasana-sansthimam trinayanam pitanshukollasini, Hema-bhang-ruchim shashanka-mukutama sachchampaka-sragayutama. Hastair-mudgara-pasha-baddha-rasanam sambi-bhrateem bhushanair-vyapatangeem baglamukheem tri-jagatam sanstambhneem chintayet".

The 1108 names of Maa Bagalamukhi

1. Om Brahmastraye namah. (Saying so offer one piece).
2. Om Brahma-vidhyaye namah.
3. OM Brahma-matre namah.
4. Om Sanatanye namah.
5. Om Brahmeshyai namah.
6. Om Brahm-kaivalyaye namah.
7. Om Bagalaye namah.
8. Om Brahm-charinai namah.
9. Om nitya-nandaye namah.
10. Om nitya-siddhyaye namah.
11. Om nitya-rupaye namah.
12. Om niramayaye namah.
13. Om sandharinyai namah.
14. Om maha-mayaye namah.
15. Om Kataksha-kshem-karinai namah.
16. Om kamalayai namah.
17. Om Vimalayai namah.

18. Om leelayai namah.
19. Om Ratna-kanti-guna-ashritayai namah.
20. Om kama-priyayai namah.
21. Om kama-ratayai namah.
22. Om kamayai namah.
23. Om Kama-swarupinyai namah.
24. Om mangalayai namah.
25. Om Vijayayai namah.
26. Om Jayayai namah.
27. Om sarva-mangal-karinyai naham.
28. Om kaminyai namah.
29. Om kamini-kamyayai namah.
30. Om kamukayai namah.
31. Om kama-charinyai namah.
32. Om kamakhyayai namah.
33. Om Kam-beeja-sthayai namah.
34. Om kama-peethha-nivasinyai namah.
35. Om Kama-dayai namah.
36. Om Kama-hayai namah.
37. Om Kalyai Namah .
38. Om Kapalyai Namah.
39. Om Karalikayai namah.
40. Om kansaraye namah.
41. Om Kamalayai namah.
42. Om Kamalyai namah .
43. Om Kailasheshwara-Vallabhayai namah.
44. Om Katyayanyai namah.
45. Om Keshavayai namah.
46. Om Karunayai namah.
47. Om Kama-keli-bhuge namah.
48. Om Kriyaye namah.
49. Om Kirtyai namah.

50. Om Krattikayai namah.
51. Om Kashikayai namah.
52. Om Madhurayai namah.
53. Om Shivayai namah.
54. Om Kalakshayai namah.
55. Om kalikayai namah.
56. Om Kalyai namah.
57. Om Dhavalanana-sundaryai namah.
58. Om Khecharyai namah.
59. Om Khamurtaye namah.
60. Om Khsudrayai namah.
61. Om Khsudra-kshuda-varayai namah.
62. Om Kharaga-hastayai namah.
63. Om Kharaga-ratayai namah.
64. Om Kharaginyai namah.
65. Om Kharpar-priyayai namah.
66. Om Gangayai namah.
67. Om Goryai namah.
68. Om Gaminyai namah.
69. Om Geetayai namah.
70. Om Gotra-vivardhinyai namah.
71. Om Goharayai namah.
72. Om Gokarayai namah.
73. Om Godhayai namah.
74. Om Gandharvapur-vashinyai namah.
75. Om Gandharvayai namah.
76. Om Gandharva-kalayai namah.
77. Om Gopatyai namah.
78. Om Garudasanayai namah.
79. Om Govind-Bhavayai namah.
80. Om Govindayai namah.
81. Om Gandharyai namah.

82. Om Gandha-madinyai namah.
83. Om Gorangyai namah.
84. Om Gopika-murataye namah.
85. Om Gopi-goshtthi-nivasinyai namah.
86. Om Gandhayai namah.
87. Om Gajendra-gayai namah.
88. Om manyayai namah.
89. Om Gadadhar-priyayai namah.
90. Om Grahayai namah.
91. Om Ghora-ghorayai namah.
92. Om Ghora-rupayai namah.
93. Om Ghana-shronnyai namah.
94. Om Ghana-prabhayai namah.
95. Om Daityendra-prablayai namah.
96. Om Ghanta-vadinyai namah.
97. Om Ghora-nisvanayai namah.
98. Om Dakinyai namah.
99. Om Umayai namah.
100. Om Upendrayai namah.
101. Om Urvashyai namah.
102. Om Urgasnayai namah.
103. Om Uttamayai namah.
104. Om Unnatayai namah.
105. Om Unnayai namah.
106. Om Uttam-sthan-vasinyai namah.
107. Om Chamundayai namah.
108. Om Mundikayai namah.
109. Om Chandyai namah.
110. Om Chanda-darp-harayai namah.
111. Om Ugra-chandayai namah.
112. Om Chanda-chandayai namah.
113. Om Chanda-daitya-vinashinyai namah.

114. Om chanda-rupayai namah.
115. Om Prachandayai namah.
116. Om Chandayai namah.
117. Om Chanda-sharirinyai namah.
118. Om Chatur-bhujayai namah.
119. Om Suchandayai namah.
120. Om Charachar-nivasinyai namah.
121. Om Prayash-chhatra-shiro-vahayai namah.
122. Om Chhalayai namah.
123. Om Chhala-tarayai namah.
124. Om Chhalyai namah.
125. Om Khatra-rupayai namah.
126. Om Khatra-dharayai namah.
127. Om Khatriya-khaya-karinyai namah.
128. Om Jayayai namah.
129. Om Jai-durgayai namah.
130. Om Jayantayai namah.
131. Om Jaidayai namah.
132. Om Parayai namah.
133. Om Jaayinyai namah.
134. Om Jayinyai namah.
135. Om Jyotsnayai namah.
136. Om Jatadhara priyayai namah.
137. Om Jitayai namah.
138. Om Jitendriyayai namah.
139. Om Jit-krodhayai namah.
140. Om jai-manayai namah.
141. Om Janeshvaryai namah.
142. Om Jit-mratyave namah.
143. Om Jaratitayai namah.
144. Om Jahanvyai namah.
145. Om janakatmjayai namah.

146. Om Jhankarayai namah.
147. Om jhanjharyai namah.
148. Om Jhantayai namah.
149. Om Jhankaryai namah.
150. Om Jhaka-shobhinyai namah.
151. Om Jhakhayai namah.
152. Om Jhabhashayai namah.
153. Om Jhinkaryai namah.
154. Om Yoni-kalyana-dayinyai namah.
155. Om Jharjharayai namah.
156. Om Jhamuryai namah.
157. Om Jharayai namah.
158. Om Jharayai namah.
159. Om Jharatarayi namah.
160. Om parayai namah.
161. Om Jhanjhajhametayai namah.
162. Om Jhunkaryai namah.
163. Om Jhanayai namah.
164. Om Kalyandayinyai namah.
165. Om Eemanayai namah.
166. Om Manasyai namah.
167. Om chintyayai namah.
168. Om Eemunayai namah.
169. Om Shankar-priyayai namah.
170. Om Tankaryai namah.
171. Om Titikayai namah.
172. Om Teekayai namah.
173. Om Tankinyai namah
174. Om Ta-vargrayai namah.
175. Om Tapa-topayai namah.
176. Om Tatapatyai namah.
177. Om Tamanyai namah.

178. Om Taman-priyayai namah.
179. Om Tha-kar-dharinyai namah.
180. Om Theekayai namah.
181. Om Thhankaryai namah.
182. Om Thhikar-priyayai namah.
183. Om Thheka-thhasayai namah.
184. Om Thhaka-ratyai namah.
185. Om Thhaminyai namah.
186. Om Thhamana-priyayai namah.
187. Om Darahayai namah.
188. Om Dakinyai namah.
189. Om Darayai namah.
190. Om Damarayai namah.
191. Om Damara-priyayai namah.
192. Om Dakhinyai namah.
193. Om Dada-yuktayai namah.
194. Om Damaru-kar-vallabhayai namah.
195. Om Dhhakkayai namah.
196. Om Dhhakyai namah.
197. Om Dhhakkanadayai namah.
198. Om Dhhol-shabda-prabodhinyai namah.
199. Om Dhhaminyai namah.
200. Om Dhhamana-prityayai namah.
201. Om Dhhaga-tantra-prakashinyai namah.
202. Om Aneka-rupinyai namah.
203. Om Ambayai namah.
204. Om Anima-siddhi-dayinyai namah.
205. Om Amantrinyai namah.
206. Om Anukaryai namah.
207. Om Anumad-bhanu-sansthitayai namah.
208. Om Tarayai namah.
209. Om Tantravatyai namah.

210. Om Tantrayai namah.
211. Om Tatva-rupayai namah.
212. Om Tapasvinyai namah.
213. Om Taranginyai namah.
214. Om Tatvaparayai namah.
215. Om Tantrikayai namah.
216. Om Tantra-vigrahayai namah.
217. Om Tapo-rupayai namah.
218. Om Tatva-datrayai namah.
219. Om Tapah-priti-pragharshinyai namah.
220. Om Tantra-yantrayai namah.
221. Om Archana-parayai namah.
222. Om Talatal-nivashinyai namah.
223. Om Talpadayai namah.
224. Om Alpadayai namah.
225. Om Kamyayai namah.
226. Om Sthirayai namah.
227. Om Sthira-tarayai namah.
228. Om Sthityai namah.
229. Om Sthanu-priyayai namah.
230. Om Sthitiparayai namah.
231. Om Sthitayai namah.
232. Om Sthana-pradayinyai namah.
233. Om Digambarayai namah.
234. Om Daya-rupayai namah.
235. Om Davagni-damanyai namah.
236. Om Damayai namah.
237. Om Durgayai namah.
238. Om Durga-parayai Devyai namah.
239. Om Dushta-daitya-vinashinyai namah.
240. Om Damana-pramadayai namah.
241. Om Daitya-daya-dana-parayanayai namah.

242. Om Durgaratti-nashinyai namah.
243. Om Dantayai namah.
244. Om Dambhinyai namah.
245. Om Dambha-varjitayai namah.
246. Om Digamber-priyayai namah.
247. Om Dambhayai namah.
248. Om Daitya-dambha-vidarinyai namah.
249. Om Damanayai namah.
250. Om Dasana-sondaryayai namah.
251. Om Danava-indra-vinashinyai namah.
252. Om Daya-dharayai namah.
253. Om Damanyai namah.
254. Om Darbha-patra-vilasinyai namah.
255. Om Dharinyai namah.
256. Om Dhaarinyai namah.
257. Om Dhatrai namah.
258. Om Dharadhar-priyayai namah.
259. Om Dharadhara-suta-devyai namah.
260. Om Sudharmayai namah
261. Om Dharma-charinyai namah.
262. Om Dharmagyayai namah.
263. Om Dhavalayai namah.
264. Om Dhoolayai namah.
265. Om Dhandayai namah.
266. Om Dhana-vardhinyai namah.
267. Om Dheera-dheerayai namah.
268. Om Dheer-tarayai namah.
269. Om Dheer-siddhi-pradayinyai namah.
270. Om Dhanvantari-dharayai namah.
271. Om Dheerayai namah.
272. Om Dhyeyayai namah.
273. Om Dhyan-svarupinyai namah.

274. Om Narayanyai namah.
275. Om Narsinhayai namah.
276. Om Nityanandayai namah.
277. Om Narottamayai namah.
278. Om Naktayai namah.
279. Om Naktavatyai namah.
280. Om Nityayai namah.
281. Om Neeljimuta-sannibhayai namah.
282. Om Neelangyai namah.
283. Om Neel-vastrayai namah.
284. Om Neel-parvata-vasinyai namah.
285. Om Sunil-pushpa-khachitayai namah.
286. Om Neel-jambu-sama-prabhayai namah.
287. Om Nityakhyayai namah.
288. Om Shodashyai namah.
289. Om Vidhyayai namah.
290. Om Nityayai namah.
291. Om Nitya-sukhavahayai namah.
292. Om Narmadayai namah.
293. Om Nandanayai namah.
294. Om Nandayai namah.
295. Om Nandananda-vivardhinyai namah.
296. Om Yashoda-nanda-tanyayai namah.
297. Om Nanda-udhyana-vasinyai namah.
298. Om Nagantakayai namah.
299. Om Naga-vradhayai namah.
300. Om Naga-patnyai namah.
301. Om Naginyai namah.
302. Om Namita-shesh-jantayai namah.
303. Om Namaskara-vatyai namah.
304. Om Pitambarayai namah.
305. Om Parvatyai namah.

306. Om Pitambara-vibhushitayai namah.
307. Om Peeta-malya-ambara-dharayai namah.
308. Om peetabhayai namah.
309. Om Pinga-murdhajayai namah.
310. Om peet-pushpa-archana-ratayai namah.
311. Om Peet-pushpa-samarchitayai namah.
312. Om Par-prabhayai namah.
313. Om Pitra-pataye namah.
314. Om Para-sainya-vinashinyai namah.
315. Om Parmayai namah.
316. Om Paratantrayai namah.
317. Om Paramantrayai namah.
318. Om Parat-parayai namah.
319. Om Para-vidhyayai namah.
320. Om Para-siddyai namah.
321. Om Para-sthana-pradayinyai namah.
322. Om Pushpayai namah.
323. Om Pushpa-vatyai namah.
324. Om Nityayai namah.
325. Om Pushpa-mala-vibhushitayai namah.
326. Om Puratanayai namah.
327. Om Purva-parayai namah.
328. Om Para-siddhi-pradayinyai namah.
329. Om Peetayai namah.
330. Om Nitambinyai namah.
331. Om Peenonata-payah-stanyai namah.
332. Om Premayai namah.
333. Om Pramadhmayai namah.
334. Om Asheshayai namah.
335. Om Padma-patra-vilasinyai namah.
336. Om Padmavatyai namah.
337. Om Padma-netrayai namah.

338. Om Padmayai namah.
339. Om Peetayai namah.
340. Om Padma-mukhyai namah.
341. Om Parayai namah.
342. Om Padmasanayai namah.
343. Om Padma-priyayai namah.
344. Om Padma-raga-svarupinyai namah.
345. Om pavanyai namah.
346. Om Palikayai namah.
347. Om Patrai namah.
348. Om paradayai namah.
349. Om Vardayai namah.
350. Om Shivayai namah.
351. Om Preta-sansthayai namah.
352. Om Para-anandayai namah.
353. Om Para-Brahma-svarupinyai namah.
354. Om Om Jineshwara-priya-davyai namah.
355. Om Pashu-rakta-rati-priyayai namah.
356. Om Pashu-mansa-priyayai namah.
357. Om Aparnayai namah.
358. Om Paramrat-parayenayai namah.
359. Om Pashinyai namah.
360. Om Pashikayai namah.
361. Om Pashughnyai namah.
362. Om Pashu-bhashinyai namah.
363. Om Phullarvinda-vadnayai namah.
364. Om Phullotpala-sharirinyai namah.
365. Om Parananda-pradayai namah.
366. Om Veennayai namah.
367. Om Pashu-pasha-vinshinyai namah.
368. Om Phutkarayai namah.
369. Om Phutparayai namah.

370. Om Phenyai namah.
371. Om Phullendivara-lochanayai namah.
372. Om Phat-mantrayai namah.
373. Om Sphatikayai namah.
374. Om svahayai namah.
375. Om Sphotayai namah.
376. Om Phat-svarupinyai namah.
377. Om Sphatikayai namah.
378. Om Ghutikayai namah.
379. Om Ghorayai namah.
380. Om Sphatikadri-svarupinyai namah.
381. Om Varangnayai namah.
382. Om Varadharyai namah.
383. Om Varahyai namah.
384. Om Vasukyai namah.
385. Om Varayai namah.
386. Om Vindu-sthayai namah.
387. Om vanyai namah.
388. Om Vindu-chakra-nivasinyai namah.
389. Om Vindunyai namah.
390. Om Vidhyadharyai namah.
391. Om Vishalakshyai namah.
392. Om Kashi-vasi-jana-priyayai namah.
393. Om Veda-vidhyayai namah.
394. Om Virupakshyai namah.
395. Om Vishvayuje namah.
396. Om Bahu-rupinyai namah.
397. Om Brahma-shaktayai namah.
398. Om Vishnu-shaktayai namah.
399. Om Pancha-vaktrayai namah.
400. Om Shiva-priyayai namah.
401. Om Vaikuntha-vasini-devyai namah.

402. Om Vaikuntha-pada-dayinyai namah.
403. Om Brahma-rupayai namah.
404. Om Vishnu-rupayai namah.
405. Om Para-Brahma-Maheshavaryai namah.
406. Om Bhava-priyayai namah.
407. Om Bhavod-bhavayai namah.
408. Om Bhava-rupayai namah.
409. Om Bhavottamayai namah.
410. Om Bhava-parayai namah.
411. Om Bhava-dharayai namah.
412. Om Bhagyavata-priya-karinyai namah.
413. Om Bhadrayai namah.
414. Om Subhadrayai namah.
415. Om Bhavadayai namah.
416. Om Shumbha-daitya-vinashinyai namah
417. Om Bhavanyai namah.
418. Om Bhairavyai namah.
419. Om Bheemayai namah.
420. Om Bhadra-kalyai namah.
421. Om Subhadrikayai namah.
422. Om Bhaginyai namah.
423. Om Bhaga-rupayai namah.
424. Om Bhaga-manayai namah.
425. Om Bhagottamayai namah.
426. Om Bhaga-priyayai namah.
427. Om Bhaga-vatyai namah.
428. Om Bhaga-vasayai namah.
429. Om Bhaga-karayai namah.
430. Om Bhaga-srashtayai namah.
431. Om Bhagavatyai namah.
432. Om Bhaga-rupayai namah.
433. Om Bhagasinyai namah.

434. Om Bhaga-linga-priya devyai namah.
435. Om Bhaga-linga-parayanayai namah.
436. Om Bhaga-linga-svarupayai namah.
437. Om Bhaga-linga-vinodinyai namah.
438. Om Bhaga-linga-rata-devyai namah.
439. Om Bhaga-linga-nivasinyai namah.
440. Om Bhaga-malayai namah.
441. Om Bhaga-kalayai namah.
442. Om Bhaga-dharayai namah.
443. Om Bhaga-ambarayai namah.
444. Om Bhaga-vegayai namah.
445. Om Bhaga-bhushayai namah.
446. Om Bhagaendrayai namah.
447. Om Bhagya-rupinyai namah.
448. Om Bhaga-linganga-sambhogayai namah.
449. Om Bhaga-linga-savavahayai namah.
450. Om Bhaga-linga-samadhuryayai namah.
451. Om Bhaga-linga-niveshitayai namah.
452. Om Bhaga-linga –supujyayai namah.
453. Om Bhaga-linga-samanvitayai namah.
454. Om Bhaga-linga-viraktayai namah.
455. Om Bhaga-linga-samavratayai namah.
456. Om Madhavyai namah.
457. Om Madhavi-manyayai namah.
458. Om Madhurayai namah.
459. Om Madhu-maninyai namah.
460. Om Manda-hasayai namah.
461. Om Maha-mayayai namah.
462. Om Mohinyai namah.
463. Om Mahaduttmayai namah.
464. Om Maha-mohayai namah.
465. Om Maha-vidhyayai namah.

466. Om Maha-Ghorayai namah.
467. Om Maha-smratyai namah.
468. Om Manasvinyai namah.
469. Om Manavatyai namah.
470. Om Modinyai namah.
471. Om Madhurananayai namah.
472. Om menkayai namah.
473. Om Maninyai namah.
474. Om Manyayai namah.
475. Om Mani-ratna-vibhushitayai namah.
476. Om Mallikayai namah.
477. Om Maulikayai namah.
478. Om Malayai namah.
479. Om Maladhara-madottamayai namah.
480. Om Madanayai namah.
481. Om Sundaryai namah.
482. Om Medhayai namah.
483. Om Madhu-mattayai namah.
484. Om Madhu-priyayai namah.
485. Om Matta-hansa-samonnasayai namah.
486. Om Matta-sinha-mahasanyai namah.
487. Om Mahendra-vallabhayai namah.
488. Om Bhimayai namah.
489. Om Maulyayai namah.
490. Om Mithunatma-jayai namah.
491. Om Maha-kalayai namah.
492. Om Maha-kalyai namah.
493. Om Maha-budhyai namah.
494. Om Mahotkatayai namah.
495. Om Maheshvaryai namah.
496. Om Maha-mayayai namah.
497. Om Mahishasura-ghatinyai namah.

498. Om Madhuryai namah.
499. Om Kirti-mattayai namah.
500. Om Mattayai namah.
501. Om Matanga-gaminyai namah.
502. Om Mada-priyayai namah.
503. Om Mansa-ratayai namah.
504. Om Mattayuk-kam-karinyai namah.
505. Om Maithunya-vallabhayai-devyai namah.
506. Om Mahanandayai namah.
507. Om Mahot-savayai namah.
508. Om Marichyai namah.
509. Om Mayai namah.
510. Om Ratyai namah.
511. Om Mayayai namah.
512. Om Mano-buddhi-pradayinyai namah.
513. Om Mohayai namah.
514. Om Mokshayai namah.
515. Om Maha-laksamyai namah.
516. Om Mahat-pada-pradayinyai namah.
517. Om Yama-rupayai namah.
518. Om Yamunayai namah.
519. Om Jayantyai namah.
520. Om Jai-pradayai namah.
521. Om Yamyayai namah.
522. Om Yama-vatyai namah.
523. Om Yuddhayai namah.
524. Om Yadoh-kula-vivardhinyai namah.
525. Om Ramayai namah.
526. Om Raamayai namah.
527. Om Rama-patniyai namah.
528. Om Ratna-malayai namah.
529. Om Rati-priyayai namah.

530. Om Ratna-sinhasana-sthayai namah.
531. Om Ratn-abharana-manditayai namah.
532. Om Ramanyai namah.
533. Om Ramaniyayai namah.
534. Om Ratyayai namah.
535. Om Rasa-parayanayai namah.
536. Om Rata-nandayai namah.
537. Om Rata-vatyai namah.
538. Om Raghoonankula-vardhinyai namah.
539. Om Ramana-ari-pari-bhrajyayai namah.
540. Om Raidhayai namah.
541. Om Radhik-ratna-jayai namah.
542. Om Ravyai namah.
543. Om Rasa-svarupayai namah.
544. Om Ratri-raja-sukha-avahayai namah.
545. Om Ritujayai namah.
546. Om Ritudayai namah.
547. Om Riddhayai namah.
548. Om Ritu-rupayai namah.
549. Om Ritu-priyayai namah.
550. Om Rakta-priyayai namah.
551. Om Rakta-vatyai namah.
552. Om Ranginyai namah.
553. Om Rakta-dantikayai namah.
554. Om Lakshamyai namah.
555. Om Lajjayai namah.
556. Om Latikayai namah.
557. Om Leela-lagnyai namah.
558. Om Nitakshinyai namah.
559. Om Leelayai namah.
560. Om Leelavatyai namah.
561. Om Lomayai namah.

562. Om Harshalhadan-pattikayai namah.
563. Om Brahm-sthitayai namah.
564. Om Brahm-rupayai namah.
565. Om Brahma-vide namah.
566. Om Veda-vanditayai namah.
567. Om Brahmod-Bhavayai namah.
568. Om Brahma-kalayai namah.
569. Om Brahmanyai namah.
570. Om Brahma-bodhinyai namah.
571. Om Vedanga-nayai namah.
572. Om Veda-rupayai namah.
573. Om Banitayai namah.
574. Om Bintayai namah.
575. Om Vasayai namah.
576. Om Balayai namah.
577. Om Yuvatyai namah.
578. Om Vradhayai namah.
579. Om Brahma-karma-parayanayai namah.
580. Om Vindhyasthayai namah.
581. Om Vindhya-vasyai namah.
582. Om Bindu-bhuje namah.
583. Om Bindu-bhushanayai namah.
584. Om Vidhya-vatyai namah.
585. Om Veda-dharyai namah.
586. Om Vyapikayai namah.
587. Om Barhini-kalayai namah.
588. Om Vamachara-priyayai namah.
589. Om Vahnyai namah.
590. Om Vamachara-parayenayai namah.
591. Om Vamachara-rata-devyai namah.
592. Om Vama-deva-priyottamayai namah.
593. Om Buddhendriyayai namah.

594. Om Vibuddhayai namah.
595. Om Buddhacharana-malinyai namah.
596. Om Bandha-mochana-kartriyai namah.
597. Om Vaarunayai namah.
598. Om Varunalyayai namah.
599. Om Shiva-shiv-priyayai namah.
600. Om Shuddhayai namah.
601. Om Shuddhangyai namah.
602. Om Shukla-varnikayai namah.
603. Om Shukla-pushpa-priyayai namah.
604. Om Shuklayai namah.
605. Om Shiva-dharama-parayenayai namah.
606. Om Shukla-sthayai namah.
607. Om Shuklinyai namah.
608. Om Shukla-rupayai namah.
609. Om Shukla-pashu-priyayai namah.
610. Om Shukra-sthayai namah.
611. Om Shukrinyai namah.
612. Om Shukrayai namah.
613. Om Shukra-rupayai namah.
614. Om Shukrikayai namah.
615. Om Shanamukhyai namah
616. Om Shanangayai namah.
617. Om Shata-chakra-vini-vashinyai namah.
618. Om Shada-granthi-yuktayai namah.
619. Om Shodhayai namah.
620. Om Shana-Matayai namah.
621. Om Shadatmikayai namah.
622. Om Shadanga-yuvatyai-devyai namah.
623. Om Shadanga-prakratir-vashyai namah.
624. Om Shadananayai namah.
625. Om Shada-astrayai namah.

626. Om Shashtthyai namah.
627. Om Shashttheshvari-priyayai namah.
628. Om Shadja-vadayai namah.
629. Om Shodashyai namah.
630. Om Shodha-nyasa-svarupinyai namah.
631. Om Shata-chakra-bhedana-karyai namah.
632. Om Shata-chakrastha-svarupinyai namah.
633. Om Shodasha-svara-rupayai namah.
634. Om Shanmukhyai namah.
635. Om Shat-padanvitayai namah.
636. Om Sanakadi-svarupayai namah.
637. Om Shiva-dharma-parayenayai namah.
638. Om Siddhayai namah.
639. Om Sapta-svaryai namah.
640. Om Shuddhayai namah.
641. Om Sura-matayai namah.
642. Om Svarottamayai namah.
643. Om Siddha-vidhyayai namah.
644. Om Siddha-matayai namah.
645. Om Siddhayai namah.
646. Om Siddha-svarupinyai namah.
647. Om Harayai namah.
648. Om Hari-Priyayai namah.
649. Om Harayai namah.
650. Om Harinyai namah.
651. Om Hariyuje namah.
652. Om Hari-rupayai namah.
653. Om Hari-dharayai namah.
654. Om Harinna-akshayai namah.
655. Om Hari-priyayai namah.
656. Om Hetu-priyayai namah.
657. Om Hetu-ratayai namah.

658. Om Hitahita-svarupinyai namah.
659. Om Kshamayai namah.
660. Om Kshama-vatyai namah.
661. Om Ksheetayai namah.
662. Om Kshudra-ghanta-vibhushanayai namah.
663. Om Kshayankaryai namah.
664. Om Kshitishayai namah.
665. Om Ksheenna-madhya-sushobhitayai namah.
666. Om Ajaayai namah.
667. Om Anantayai namah.
668. Om Aparnayai namah.
669. Om Ahalyayai namah.
670. Om Shesha-shayinyai namah.
671. Om Svantargatayai namah.
672. Om Sadhunama-antrayai Ananta-rupinyai namah.
673. Om Arupayai namah.
674. Om Amalayai namah.
675. Om Arddhayai namah.
676. Om Ananta-guna-shalinyai namah.
677. Om Sva-viddhyayai namah.
678. Om Vidyakayai namah.
679. Om Vidyayai namah.
680. Om Avidyayai namah.
681. Om Arvinda-lochanayai namah.
682. Om Aparajitayai namah.
683. Om Jatavedayai namah.
684. Om Ajapayai namah.
685. Om Amaravatyai namah.
686. Om Alpayai namah.
687. Om Svalpayai namah.
688. Om Analpadhyayai namah.
689. Om Annima-siddhi-dayinyai namah.

690. Om Ashta-siddhi-pradayai Devyai namah.
691. Om Roopa-lakshana-sanyutayai namah.
692. Om Arvindamukhi Devyai namah.
693. Om Bhoga-saukhya-pradayinyai namah.
694. Om Aadi-vidhyayai namah.
695. Om Aadi-bhutayai namah.
696. Om Aadi-siddhi-pradayinyai namah.
697. Om Seetkar-rupini-devyai namah.
698. Om Sarvasana-vibhushitayai namah.
699. Om Indra-priyayai namah.
700. Om Indranyai namah.
701. Om Indra-prastha-nivasinyai namah.
702. Om Indrakshayai namah.
703. Om Indra-vajrayai namah.
704. Om Indra-vandhyayai namah.
705. Om Ukshinyai namah.
706. Om Eelayai namah.
707. Om Kama-nivasayai namah.
708. Om Ishwarishwara-vallabhayai namah.
709. Om Jananyai namah.
710. Om Ishwaryai namah.
711. Om Deenayai namah.
712. Om Bhedayai namah.
713. Om Ishwara-karama-krate namah.
714. Om Uma-katyayanyai namah.
715. Om Udhavayai namah.
716. Om Meenayai namah.
717. Om Uttar-vashinyai namah.
718. Om Uma-pati-priyayai devyai namah.
719. Om Shivayai namah.
720. Om Omkara-rupinyai namah.
721. Om Urgendra-shiro-ratnayai namah.

722. Om Urgoraga-vallabhayai namah.
723. Om Udyana-vashinyai namah.
724. Om Malayai namah.
725. Om Prashasta-mani-bhushanayai namah.
726. Om Udharva-dantotta-mangyai namah.
727. Om Uttamayai namah.
728. Om Udhava-keshinyai-Umayai namah.
729. Om Siddhi-pradayai namah.
730. Om Urgasana-sansthitayai namah.
731. Om Rishi-putriyai namah.
732. Om Rishichchhandayai namah.
733. OM Riddhi-siddhi-pradayinyai namah.
734. Om Utsavotsava-simantayai namah.
735. Om Kamikayai namah.
736. Om Gunanvitayai namah.
737. Om Elayai namah.
738. Om Akara-vidhyayai namah.
739. Om Anyai namah.
740. Om Vidhya-dharayai namah.
741. Om Omkara-valyo-petayai namah.
742. Om Omkara-parama-kalayai namah.
743. Om Om Vada-vada-vanyai namah.
744. Om Omkarakshara-manditayai namah.
745. Om Endriyai namah.
746. Om Kulish-hastayai namah.
747. Om Om Para-loka-vasinyai namah.
748. Om Omkara-madhya-beejayai namah.
749. Om Om-namo-rupa-dharinyai namah.
750. Om Para-brahma-svarupayai namah.
751. Om Anshukanshuka-vallabhayai namah.
752. Om Omkarayai namah.
753. Om Ah-phada-mantrayai namah.

754. Om Akshakshara-vibushitayai namah.
755. Om Amantrayai namah.
756. Om Mantra-rupayai namah.
757. Om Pada-shobha-samanvitayai namah.
758. Om Pranavomkara-rupayai namah.
759. Om Pranavochchara-bhaje namah.
760. Om Hreenkara-rupayai namah.
761. Om Hreenkaryai namah.
762. Om Vaga-Beejakshara-bhushanayai namah.
763. Om Hrallekhayai namah.
764. Om Siddhi-yogayai namah.
765. Om Hrata-padmasana-sansthitayai namah.
766. Om Beejakhyayai namah.
767. Om Netra-hradayayai namah.
768. Om Hreem-beejayai namah.
769. Om Bhuvaneshawaryai namah.
770. Om Kleem-kama-rajayai namah.
771. Om Klinnayai namah.
772. Om Chatur-varga-phala-pradayai namah.
773. Om Kleem-kleem-kleem rupika devyai namah.
774. Om Kreem-kreem-kreem nama-dharinyai namah.
775. Om Kamalayai namah.
776. Om Shakti-beejayai namah.
777. Om Pasha-ankusha-vibhushitayai namah.
778. Om Shreem Shreenkaryai namah.
779. Om Mahavidhyayai namah.
780. Om Shraddhayai namah.
781. Om Shraddha-vatyai namah.
782. Om Aim kleem Hreem Shreem Parayai namah.
783. Om Kleenkari-parama-kalayai namah.
784. Om Hreem Kleem Shrinkara-rupayai namah.
785. Om Sarva-karma-phala-pradayai namah.

786. Om Sarvaddhyayai namah.
787. Om Sarva-devyai namah.
788. Om Sarva-siddhi-pradayai namah.
789. Om Sarvagyayai namah.
790. Om Sarva-shaktyayai namah.
791. Om Vaga-vibhuti-pradayinyai namah.
792. Om Sarva-moksha-prada-devyai namah.
793. Om Sarva-bhoga-pradayinyai namah.
794. Om Gunendra-vallabhayai namah.
795. Om Vamayai namah.
796. Om Sarva-shakti-Pradayinyai namah.
797. Om Sarvananda-mayyai namah.
798. Om Sarva-siddhi-pradayinyai namah.
799. Om Sarva-chakreshwari-devyai namah.
800. Om Sarva-siddheshvaryai namah.
801. Om Sarva-priyankaryai namah.
802. Om Sarva-sokhya-pradayinyai namah.
803. Om Sarvananda-prada-devyai namah.
804. Om Brahmananda-pradayinyai namah.
805. Om Mano-vanchchhita-datryai namah.
806. Om Mano-buddhi-samanvitayai namah.
807. Om Akaradi-aksha-karantayai namah.
808. Om Varna-vigraha-rupinyai namah.
809. Om Padma-netrayai namah.
810. Om Sunetrayai namah.
811. Om Svadha-svaha-vashat-karyai namah.
812. Om Sva-vargayai namah.
813. Om Deva-vargayai namah.
814. Om Tavargena-samanvitayai namah.
815. Om Anta-sthayai namah.
816. Om Veshma-rupayai namah.
817. Om Nava-durgayai namah.

818. Om Narottamayai namah.
819. Om Tatva-siddhi-pradayai namah.
820. Om Neelayai namah.
821. Om Neela-patakinyai namah.
822. Om Nitya-rupayai namah.
823. Om Nisha-karyai namah.
824. Om Stambhinyai namah.
825. Om Mohinyai namah.
826. Om Vashankaryai namah.
827. Om Uchchatyai namah.
828. Om Unmadhyai namah.
829. Om Aakarshinyai namah.
830. Om Matangyai namah.
831. Om Madhu-mattayai namah.
832. Om Animayai namah.
833. Om Laghimayai namah.
834. Om Siddhayai namah.
835. Om Moksha-pradayai namah.
836. Om Nityayai namah.
837. Om Nityananda-pradayinyai namah.
838. Om Raktangyai namah.
839. Om Rakta-netrayai namah.
840. Om Rakta-chandana-bhushitayai namah.
841. Om Svalpa-sidhyai namah.
842. Om Sukalpayai namah.
843. Om Divya-charana-shukrabhayai namah.
844. Om Sankantyai namah.
845. Om Sarva-vidhyayai namah.
846. Om Sapta-vasara-bhushitayai namah.
847. Om Prathamayai namah.
848. Om Dvityayai namah.
849. Om Tratiyayai namah.

850. Om Chaturthikayai namah.
851. Om Panchamyai namah.
852. Om Shashtthyai namah.
853. Om Vishuddha-saptamyai namah.
854. Om Ashtamyai namah.
855. Om Navamyai namah.
856. Om Dashamyai namah.
857. Om Ekadashyai namah.
858. Om Dvadashyai namah.
859. Om Trayodashyai namah.
860. Om Chaturdashyai namah.
861. Om Purnimayai namah.
862. Om Amavasyayai namah.
863. Om Purvayai namah.
864. Om Uttarayai namah.
865. Om Pari-purnimayai namah.
866. Om Khadginyai namah.
867. Om Chakrinyai namah.
868. Om Ghorayai namah.
869. Om Gadinyai namah.
870. Om Shulinyai namah.
871. Om Bhushundyai namah.
872. Om Chapinyai namah.
873. Om Banayai namah.
874. Om Sarvayudh-vibhushnayai namah.
875. Om kuleshvaryai namah.
876. Om Kulvatyai namah.
877. Om Kulachara-parayenayai namah.
878. Om Kul-karma-suraktayai namah.
879. Om Kulachara-pravardhinyai namah.
880. Om Keertyai namah.
881. Om Shriyai namah.

882. Om Ramayai namah.
883. Om Raamayai namah.
884. Om Dharmayai namah.
885. Om Kshamayai namah.
886. Om Dhratyai namah.
887. Om Smratyai namah.
888. Om medhayai namah.
889. Om Kalpa-vraksha-nivasinyai namah.
890. Om Ugraya namah.
891. Om Ugra-prabhayai namah.
892. Om Gauryai namah.
893. Om Veda-vidhya-vibodhinyai namah.
894. Om Sadhyayai namah.
895. Om Siddhayai namah.
896. Om Susiddhayai namah.
897. Om Vipra-rupayai namah.
898. Om Kalyai namah.
899. Om Karalyai namah.
900. Om Kalyayai namah.
901. Om Kala-daitya-vinashinyai namah.
902. Om Kaulinyai namah.
903. Om Kalikyai namah.
904. Om Ka, Cha, Ta, Ta, Pa Varnikayai namah.
905. Om Jayinyai namah.
906. Om Jai-yuktayai namah.
907. Om Jai-dayai namah.
908. Om Jrambhinyai namah.
909. Om sravinyai namah.
910. Om Dravinyai namah.
911. Om Bherundrayai namah.
912. Om Vindhya-vashinyai namah.
913. Om Jyotirbhutayai namah.

914. Om Jaidayai namah.
915. Om Jwala-mala-samakulayai namah.
916. Om Bhinnayai namah.
917. Om Bhinna-prakashayai namah.
918. Om Vibhinnayai namah.
919. Om Bhinna-rupinnyai namah.
920. Om Ashwinyai namah.
921. Om Bharanyai namah.
922. Om Nakshatra –Sambhavayai namah.
923. Om Anilayai namah.
924. Om Kashyapyai namah.
925. Om Vintayai namah.
926. Om Khyatayai namah.
927. Om Ditijayai namah.
928. Om Dityai namah.
929. Om Keetyai namah.
930. Om Kama-priyayai-devyai namah.
931. Om Keerttyayai namah.
932. Om Keerti-vivardhinyai namah.
933. Om Sadhyo-mansa-samalabdhayai namah.
934. Om Sadhyashchhinnasi-shankarayai namah.
935. Om Dakshinayai namah.
936. Om Uttarayai namah.
937. Om Purvayai namah.
938. Om Pashchimayai namah.
939. Om Agni-nairirti-vayavyai-Ishanyai dishe namah.
940. Om Udharvangayai namah.
941. Om Adho-gatayai namah.
942. Om Shvetayai namah.
943. Om Krashnayai namah.
944. Om Raktayai namah.
945. Om Peetakayai namah.

946. Om Chatur-vargayai namah.
947. Om Chatur-varnayai namah.
948. Om Chatur-maatratmikayai namah.
949. Om Aksharayai namah.
950. Om Chaturmukhyai namah.
951. Om Chaturvedayai namah.
952. Om Chatur-vidhyayai namah.
953. Om Chatur-mukhayai namah.
954. Om Chatur-ganayai namah.
955. Om Chatur-matayai namah.
956. Om Chatur-varga-phala-pradayai namah.
957. Om Dhatrai namah.
958. Om Vidhatrai namah.
959. Om Mithunayai namah.
960. Om Naryai namah.
961. Om Nayaka-vashinyai namah.
962. Om Surayai namah.
963. Om Mudayai namah.
964. Om Modavatyai namah.
965. Om Modinyai namah.
966. Om Menakatmajayai namah.
967. Om Udharva-kalyai namah.
968. Om Siddhi-kalyai namah.
969. Om Dakshinayai Kalikayai namah.
970. Om Shivayai namah.
971. Om Nilyayai namah.
972. Om Sarasvatyai namah.
973. Om Satvayai namah.
974. Om Bagalayai namah.
975. Om Chhinnamastikayai namah.
976. Om Sarveshwaryai namah.
977. Om Siddha-vidhyayai namah.

978. Om Parayai namah.
979. Om Parama-devatayai namah.
980. Om Hingulayai namah.
981. Om Hingulangyai namah.
982. Om Hinguladhara-vasinyai namah.
983. Om Hingulottama-varnabhayai namah.
984. Om Hingula-varnayai namah.
985. Om Jagratyai namah.
986. Om Jaganmatayai namah.
987. Om Jagadishwar-vallabhayai namah.
988. Om Janardana-priyayai devyai namah.
989. Om Jai-yuktayai namah.
990. Om Jai-pradayai namah.
991. Om Jagadananda-karyai namah.
992. Om Jagadalhada-karinyai namah.
993. Om Gyana-dana-karyai namah.
994. Om Yagyayai namah.
995. Om Janakyai namah.
996. Om Janaka-priyayai namah.
997. Om Jayantyai namah.
998. Om Jaidayai namah.
999. Om Nityayai namah.
1000. Om Jvalada-Agni-sama-prabhayai namah.
1001. Om Vimba-dharayai namah.
1002. Om Bimboshtthyai namah.
1003. Om Kailashachala-vaasinyai namah.
1004. Om Vibhavayai namah.
1005. Om Vadvagnyai namah.
1006. Om Agni-hotra-phal-pradayai namah.
1007. Om Mantra-rupayai namah.
1008. Om Para-devyai namah.
1009. Om Guru-rupinyain namah.

1010. Om Gayayai namah.
1011. Om Gangayai namah.
1012. Om Gomatyai namah.
1013. Om Prabhasayai namah.
1014. Om Pushkarayai namah.
1015. Om Vindhyachala Ratayai devyai namah.
1016. Om Vindhyachala nivasinyai namah.
1017. Om Bahu-bahu-sundaryai namah.
1018. Om Kansasura-vinasinyai namah.
1019. Om Shulinyai namah.
1020. Om Shula-hastayai namah.
1021. Om Vajrayai namah.
1022. Om Vajra-harayai namah.
1023. Om Durgayai namah.
1024. Om Shivayai namah.
1025. Om Shanti-karyai namah.
1026. Om Brahmanyai namah.
1027. Om Brahmana-priyayai namah.
1028. Om Sarva-loka-pranetrayai namah.
1029. Om Sarva-roga-Harayai namah.
1030. Om Mangalayai namah.
1031. Om Shobhanayai namah.
1032. Om Shuddhayai namah.
1033. Om Nishkalayai namah.
1034. Om Parama-kalayai namah.
1035. Om Vishveshwaryai namah.
1036. Om Vishva-matayai namah.
1037. Om Lalitayai namah.
1038. Om Vasitananayai namah.
1039. Om Sada-shivayai namah.
1040. Om Umayai namah.
1041. Om Kshemayai namah.

1042. Om Chandikayai namah.
1043. Om Chanda-vikramayai namah.
1044. Om Sarva-deva-mayyai namah.
1045. Om Sarvagama-Bhayapahayai namah.
1046. Om Brahmesha-vishnu-Namitayai namah.
1047. Om Sarva-kalyana-karinyai namah.
1048. Om Yoginyai namah.
1049. Om Yoga-matayai namah.
1050. Om Yogindra-hradaya-sthitayai namah.
1051. Om Yogi-jayayai namah.
1052. Om Yogavatyai namah.
1053. Om Yogindrananda-yoginyai namah.
1054. Om Indradi-namita-devyai namah.
1055. Om Ishwaryai namah.
1056. Om Ishwara-priyayai namah.
1057. Om Vishuddhi-dayai namah.
1058. Om Bhaya-harayai namah.
1059. Om Bhakta-dveshi-Bhayankaryai namah.
1060. Om Bhava-veshayai namah.
1061. Om Kaminyai namah.
1062. Om Bherundayai namah.
1063. Om Bhaya-karinyai namah.
1064. Om Balabhadra-priya-karayai namah.
1065. Om Sansara-arnava-tarinyai namah.
1066. Om Pancha-bhootayai namah.
1067. Om Sarva-bhootayai namah.
1068. Om Vibhutaye namah.
1069. Om Bhooti-dharinyai namah.
1070. Om Singha-vahayai namah.
1071. Om Maha-mohayai namah.
1072. Om Moha-pasha-vinashinyai namah.
1073. Om Mandurayai namah.

1074. Om Madirayai namah.
1075. Om Mudrayai namah.
1076. Om Mudra-mudgara-dharinyai namah.
1077. Om Savitryai namah.
1078. Om Maha-devyai namah.
1079. Om Para-priya-vinayekayai namah.
1080. Om Yama-dutyai namah.
1081. Om Pingakshayai namah.
1082. Om Vaishnavyai namah.
1083. Om Shankaryai namah.
1084. Om Chandra-priyayai namah.
1085. Om Chandra-ratayai namah.
1086. Om Chandra-naranya-vasinyai namah.
1087. Om Chandranendra-samayuktayai namah.
1088. Om Chanda-daitya-vinasinyai namah.
1089. Om Sarveshvaryai namah.
1090. Om Yakshinyai namah.
1091. Om Kiratyai namah.
1092. Om Rakshasyai namah.
1093. Om Maha-bhogawati-devyai namah.
1094. Om Maha-moksha-pradayinyai namah.
1095. Om Vishva-hantryai namah.
1096. OM Vishva-rupayai namah.
1097. Om Vishva-sanhara-karinyai namah.
1098. Om Dhatryai namah.
1099. Om Sarva-lokanam-hita-karana- karinyai namah.
1100. Om Kamalayai namah.
1101. Om Sukshama-dayai-devyai namah.
1102. Om Dheerayai namah.
1103. Om Hara-vinashinyai namah.
1104. Om Surendra-pujitayai namah.
1105. Om Siddhayai namah.

1106. Om Maha-tejovatyai namah.
1107. Om Para-rupa-vatyai namah.
1108. Om Trailokya-aakarshana-karinyai namah.

SHRI BAGALAMUKHI KALPA VIDHANA

।। श्री बगलामुखी कल्प–विधान ।।

The uses of all the mantras of Mother Bagalamukhi have been admired by all the Sadhakas. To valueate lesser any mantra is not proper. This mahavidhya and its uses have been regarded greatest always regarding to destruction of enemies and enemity of the sadhakas.

CHARACTERSTICS OF THE APPLICATION OF THIS MANTRA:

To get rid from a powerful enemy or to destroy all the obstacles this mantra is applied, which is called by the name of BAGALAMUKHI KALPA-VIDHANA (The method of using the Brahmastra of mother Bagalamukhi).

By using a few reciting of this hymn alongwith yagya one can destroy the roots of his enemiey. By the application of this mantra all the enemies either turn into friends or turn into ash like the fire in a forest.If one feels his enemy very powerful or understands that that enemy can be harmful for him then one should recite this hymn three times in a day (In morning, noon and evening or night after 10.00 p.m.) up to one month's period. It is necessary that the lesson should be recited with belief, steady heart and mind and full veneration, which results earlier.

There are two parts of this Kalpa. In the first part there is method of worshipping the Yantra of Maa and in the second part there is a method of our protection. If there is only motto to protect ourself, then one should use its second part, but this is better to recite the both parts in every time.

I have applied this mantra on various occasion and always achieved my aim by the grace of Her. In using of this hymn sometimes a sadhaka feels uneasy himself; Sometimes he feels that his veins are very pressured with hot blood; sometimes his breath is turns into uncommon; he becomes excited. There may be such uncommon things when using this mantra. But one should not be worried for it. He should recite one rosary of Guru Mantra and should pray to Ma Bagalamukhi for protection from all the above incidents.

Now I am presenting the Mantra and its method of application.

Sri Gurubhyo namah. Sri Ganpataye namah.

At first do the Yogic exercise three times with rout mantra.Thereafter, recite the 108 names of Bhagavati. Thereupon recite the following mantras to restrict all the directions (quarters), (snap the fingers when reciting each line according to the quarters. I mean to say that at the time of reciting first line snap the fingers in east thereupon constantly in every direction as… south-east, south, south-west, west, north-west, north, north-east, upper space, lower space and thereafter all the quarters. Actually according to Indian culture there are ten directions- four cardinal, four intermediate quarters and the lower and the upper space. In the last line of this restriction the word " Sarva-diga" has been used, which stands for "all the quarters").

ॐ ऐं ह्लीं श्रीं श्यामा मां पूर्वतः पातु।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं आग्नेयां पातु तारिणी।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं महाविद्या दक्षिणे तु।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं नैर्ऋत्यै शोडषी तथा।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं भुवनेशी पश्चिमायां।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं वायव्यां बगलामुखी।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं उत्तरे छिन्नमस्ता।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं धूमावती तथेशान्यां।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं कमला पातु उर्ध्व तु।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं अन्तरिक्षं सर्व देवता।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं अधस्तात चैव मातंगी।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं सर्वदिग् बगलामुखी ।।

Om aim Hleem shreem shyama mam purvatah patu,
Om aim Hleem shreem aagneyam patu tarini.

Om aim Hleem shreem mahavidhya dakshine tu;
Om aim Hleem shreem nairirtyam shodashi tatha.
Om aim Hleen shreem Bhuvaneshi pashchimayam;
Om aim Hleem shreem Vayavyam Bagalamukhi.
Om aim Hleem Shreem uttare chhinnamasta cha;
Om aim Hleem Shreem Doomavati tatheshanyam.
Om aim Hleem Shreem Kamala patu udharva tu;
Om aim Hleem Shreem antarikshama sarva-devata.
Om aim Hleem Shreem Adhastat chaiva Matangi;
Om aim Hleem Shreem Sarva-diga Bagalamukhi.

Thereafter do the Viniyoga:
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं ब्रह्मास्त्र सिद्ध प्रयोग स्तोत्र मंत्रस्य भगवान नारद ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, बगलामुखी देवता, हं बीजं, ईं शक्तिः, लं कीलकं, मम सर्वार्थ साधन सिद्धयर्थे पाठे विनियोगः ।

Om Aim Hleem Shreem Brahmastra-siddha-prayoga-stotra-mantrasya, Bhagvan Narada rishih, Anushtupa Chhandah, Bagalamukhi Devata, Ham Beejam, Eem Shaktih, Lam Keelakam, mama sarvartha-sadhana-sidhyarthe pathe viniyogah.

ॐ भगवते नारदाय ऋषये नमः शिरसि ।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः श्यामा देव्यै नमः ललाटे ।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः तारादेव्यै नमः कर्णयोः।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः महाविद्यायै नमः भ्रुवोर्मध्ये ।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः षोडशी देव्यै नमः नेत्रयोः।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः अनुष्टुप छनदसे नमः मुखे।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः श्री बगलामुखी देव्यै नमः हृदये।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः बगला भुवनेश्वरीभ्यां नमः नासिकयोः।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः छिन्नमस्ता देव्यै नमः नाभौ।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः धूमावती देव्यै नमः कटयाम्।

ॐ ऐं ह्लीं श्रीं ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः कमला देव्यै नमः गुह्ये।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः श्री मातंगी देव्यै नमैः पादयोः।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः ह्लीं बीजाय नमः नाभौ।
ॐ ऐं ह्लीं श्रीं ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः ह्लीं कीलकाय नमः सर्वांगे।
मम सर्वार्थ साधने बगलादेव्यै जपे विनियोगः।

Om Bhagvate Nardaye rishaye namah shirsi (touch the head),

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh shyama devyai namah lalate (touch the forhead),

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Tara-devyai namah karnayoh. (Touch the ears)

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Mahavidhyaye namah bhruvor-madhye (touch the junction of eyebrows).

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Shodashi devyai namah netrayoh. (touch the eyes).

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Anushtupa Chhandase namah Mukhe (touch the mouth)

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Shri Bagalamukhi Devyai namah Hradaye. (Touch the heart).

Om Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Bagala Bhuvaneshvaribhyam namah nasikayoh. (Touch the nose).

Om Aim Hreem Shreem Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Dhoomvati-devyai namah Katayam. (Touch the waist).

Om Aim Hreem Shreem Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Kamala-devyai namah Guhye. (Attempt to touch the private organ but do not touch).
Om Aim Hreem Shreem Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Shri Matangi devyai namah padayoh. (Touch the feet).

Om Aim Hreem Shreem Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Hleem Beejaye namah nabhau. (Touch the navel).

Om Aim Hreem Shreem Hram Hreem Hroom Hraim Hraom Hranh Hleem keelkaye namah sarvange. (Touch all the body-parts).

Note: All the body-parts should be touched with the combination of thumb and ring-finger.

Now do the Kara-nyasa as per directions given below:

<u>करन्यासः</u>–

ॐ ह्लां बगलामुखी अंगुष्ठाभ्यां नमः।

ॐ ह्लीं बगलामुखी तर्जनीभ्यां नमः।

ॐ ह्लूं बगलामुखी मध्यमाभ्यां नमः।

ॐ ह्लैं बगलामुखी अनामिकाभ्यां नमः।

ॐ ह्लौं बगलामुखी कनिष्ठिकाभ्यां नमः।

ॐ ह्लः बगलामुखी करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

Om Hlam Bagalamukhi angushtthabhyam namah. (Touch the both thumbs).

Om Hleem Bagalamukhi tarjanibhyam namah. (Touch the both index fingers).

Om Hloom Bagalamukhi Madhyamabhyam namah. (Touch the both middle fingers).

Om Hlaim Bagalamukhi Anamikabhyam namah. (Touch the both ring fingers).

Om Hlaum Bagalamukhi Kanishtthikabhyam namah. (Touch the both little fingers).

Om Hlah Karatala-kara-prashtthabyam namah. (Touch the both palm from front and back).

After Karanyasa do the Hradayadi-nyasa:

ॐ ह्लां बगलामुखी हृदयाय नमः।

ॐ ह्लीं बगलामुखी शिरसे नमः।

ॐ ह्लूं बगलामुखी शिखायै नमः।

ॐ ह्लैं बगलामुखी कवचाय नमः।

ॐ ह्लौं बगलामुखी नेत्रत्रयाय नमः।

ॐ ह्लः बगलामुखी अस्त्राय नमः।

Om Hlam Bagalamukhi hradayay namah. (Touch the heart with the combination of thumb and ring finger).

Om Hleem Bagalamukhi shirase namah. (Head)

Om Hloom Bagalamukhi shikhaye namah. (Bunch of hair).

Om Hlaim Bagalamukhi Kavachaye namah. (Touch across the shoulders).

Om Hlaum Bagalamukhi Netra-triyayai namah. (Touch the eyes)

Om Hlah Bagalamukhi Astraye namah. (Snap the fingers three times around the head clock-wise and then clap three times with the combination of right index and middle finger on left palm).

Now concentrate on the picture of idol of Maa Bagalamukhi and read the following concentration: -

सौवर्णासन संस्थितां त्रिनयनां पितांशुकोल्लासिनीम् ।
हेमाभांगरूचिं शशांक मुकुटां सच्चम्पक–स्रगयुताम् ।।
हस्तैर्मुद्गर–पाश–वज्र रसनाः सम्बिभ्रतीं भूषणैः–
र्व्याप्तांगीं बगलामुखि त्रिजगताम् संस्तम्भिनीं चिन्तयेत् ।।

Sauvarnasan sansthitam-tri-nayanam pitanshu-kollasineem;
Hema-bhang-ruchim shashank-mukutam sachchampaka sragyutam.
Hastair-mudgar-pash-vajra-rasanam sambi-bhrateem-bhushanair
Vyaptangim Baglamukhi tri-jagatama sanstambhinim chintayet.

Pronouncing the meditaion start the worship of Yantra as below:

(worshipping the yantra, when saying the word”Poojayami” offer yellow rice or yellow flowers and when saying “Tarpayami” offer water (mixed with sandal, honey etc. on the yantra).

First Part

Worship of Yantra

At first worship the deities of triangle:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्रोधिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं स्तम्भिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चामरधारिण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Krodhinyai Svaha pujamyami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Stambhinyai Svaha pujamyami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem chamar-dharinyai Svaha pujamyami namah tarpayami.

Again in triangle:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ओडयान पीठाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं जालन्धर पीठाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कामगिरिपीठाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अनन्तनाथाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्रीकण्ठनाथाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं दत्तात्रेयनाथाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Odyana peetthaye Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Jalandhar peetthaye Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Kamagiri peetthaye Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Anantanathaye Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Shri-kanttha-nathaye Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Dattatraiyanathaye Svaha pujayami namah tarpayami

Now in six angled:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं सुभगायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगसर्पिण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगवाहिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगमालिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगशुद्धायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगपत्न्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Subhagayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bhaga-sarpinyai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Bhaga-vahinyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bhaga-malinyai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Bhaga-shuddhayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bhaga-patnyai Svaha pujayami namah tarpayami.

Now on the rout of Lotus-petals:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ब्राह्मयै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं माहेश्वर्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कौमार्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रौं वैष्णव्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं वाराह्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चन्द्राण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चामुण्डायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Brahamyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Maheshavaryai Svaha pujayami namah tarpayami Om Aim Hreem Shreem Komaryai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Vaishanavyai Svaha pujayami namah tarpayami

Om Aim Hreem Shreem Varahayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Chandranyai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Chamundayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Maha-lakshamyai Svaha pujayami namah tarpayami.

In the middle of Lotus-petals:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं जयाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं विजयाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अजिताय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अपरिजाताय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं जृम्भिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं स्तम्भिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं मोहिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं आकर्षिण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Jayaye Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Vijayaye Svaha pujayami namah tarpayami Om Aim Hreem Shreem Ajitaye Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Aparajitaye Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Jrambhinyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Stambhinyai Svaha pujayami namah tarpayami

Om Aim Hreem Shreem Mohinyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Aakarshinyai Svaha pujayami namah tarpayami.

On the nob of lotus-petals:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं असितांग भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं रूरू भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चण्ड भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्रोध भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं उन्मत्त भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कपालि भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भीषण भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं संहार भैरवाय स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Asitanga Bhairavayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Ruru Bhairavayai Svaha pujayami namah tarpayami Om Aim Hreem Shreem Chanda-Bhairvayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Krodha-Bhairvayai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem ShreemUnmatta-Bhairavayai pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Kapali-Bhairavayai Svaha Pujayami tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bheeshana-Bhairavayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Sanhar-Bhairvayai Svaha pujayami namah tarpayami.

Now in the sixteen petals:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं बगलामुख्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं स्तम्भिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं जृम्भिण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं मोहिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चंचलायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अचलायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं वश्यायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कालिकायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कल्मषायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं धात्र्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कल्पान्तायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं आकर्षिण्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शाकिन्यै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अष्टगन्धायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भोगेच्छायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भाविकायै स्वाहा पूजयामि नमः तर्पयामि।

Om Aim Hreem Shreem Bagalamukhyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Stambhinyai Svaha pujayami namah tarpayami Om Aim Hreem Shreem Jrambhinyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Mohinyai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Chanchalayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Achalayai Svaha Pujayami tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Vashyayai Svaha pujayami namah tarpayami.

Om Aim Hreem Shreem Kalikayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Kalmashayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Dhatrayai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Kalpantayai Svaha pujayami namah.

Om Aim Hreem Shreem Aakarshinyai Svaha pujayami namah tarpayami
Om Aim Hreem Shreem Shakinyai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Ashtagandhayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bhogechchhayai Svaha pujayami namah tarpayami.
Om Aim Hreem Shreem Bhavikayai Svaha pujayami namah tarpayami.

It was the worship of the Yantra. Thereafter recite the following mantra 11 times:

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ह्लीं बगलामुखि सर्वदुष्टानां वश्यं कुरू–कुरू क्लीं क्लौं ह्रीं हुं फट् स्वाहा। ॐ ह्रां बगलामुखि श्री बगलामुखि दुष्टान् भिन्धि–भिन्धि, छिन्धि–छिन्धि परमन्त्रान् निवारय–निवारय वीरचक्रं छेदय–छेदय, बृहस्पतिमुखं स्तम्भय–स्तम्भय, ॐ ह्रीं अरिष्टस्तम्भनं कुरू–कुरू स्वाहा ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim Hreem Shreem Hleem Bagalamukhi sarva-dushtanam vashyam kuru-kuru Kleem Klaum Hreem Hum Phat Svaha. Om Hram Bagalamukhi Shri Bagalamukhi dushtan bhindhi-bhindhi, chhindhi-chhindhi, para mantran nivaraya-nivaraya, veer-chakram

chhedaya-chhedaya, Brahaspati-mukham stambhaya-stambhaya, Om Hreem arishta-stambhanam kuru-kuru Svaha, Om Hleem Bagalamukhi hum phat Svaha.

<u>Second part</u>

Start reading the following hymn:

ब्रह्मास्त्रां प्रवक्ष्यामि बगलां नारदसेविताम्।
देव–गंधर्व–यक्षादि–सेवित–पाद–पंकजाम्।।

Brahmastram pravakshyami Bagalam Narada sevitam,
Deva-gandharva-yakshadi-sevita-pada-pankjam.

त्रैलोक्य–स्तम्भिनी विद्या सर्वशत्रु–वशंकरी आकर्षणकरी उच्चाटनकरी विद्वेषणकरी जारणकरी मारणकरी जृम्भणकरी स्तम्भनकरी ब्रह्मास्त्रेण सर्ववश्यं कुरू–कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Trailokya-stambhini vidhya sarva shatrun vashankari aakarshanakari ucchatankari vidveshanakari jaranakari maranakari jrambhanakari stambhanakari brahmastrena sarva vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ह्लां द्राविणि–द्राविणी भ्रामिणि–भ्रामिणि एहि–एहि सर्वभूतान् उच्चाटय–उच्चाटय सर्वदुष्टान् निवारय–निवारय भूत–प्रेत–पिशाच–डाकिनी–शाकिनीः छिन्धि–छिन्धि, खड्गेन भिन्धि–भिन्धि मुद्गरेण संमारय–संमारय, दुष्टान् भक्षय–भक्षय, ससैन्यं भूपतिं कीलय–कीलय मुख–स्तम्भनं कुरू–कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Hlam dravini-dravini bhramini-bhramini ehi-ehi sarva bhootan ucchataya-ucchataya sarva-dushtan nivaraya-nivaraya bhoot-preta-pishacha-dakini-shakinih chhindhi-chhindi, khadgen bhindhi-bhindhi mudgarena sammaraya-sammaraya, dushtan bhakshaya-bhakshaya, sasainyam bhoopatim keelaya-keelaya mukha-stambhanam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

आत्म–रक्षा ब्रह्म–रक्षा विष्णु–रक्षा रूद्र–रक्षा अग्नि–रक्षा यम–रक्षा नैर्ऋत–रक्षा वरूण–रक्षा वायु–रक्षा कुबेर–रक्षा ईशान–रक्षा सर्व–रक्षा
भूत–प्रेत–पिशाच–डाकिनी–रक्षा अग्निवैताल–रक्षा गण–गन्धर्व–रक्षा, तस्मात् सर्वरक्षां कुरू–कुरू, व्याघ्र–गज–सिंह रक्षा रणतस्कर–रक्षा, तस्मात् सर्वं बन्धयामि ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Atma -raksha Brahma- raksha Vishnu-raksha Rudra-raksha Indra-raksha Agni-raksha Yama-raksha Nairarta-raksha Varuna-raksha Vayu-raksha Kuber-raksha Ishan-raksha sarva-raksha Bhoota-preta-pishacha-dakini-shakini-raksha Agni-baital-raksha Gana-Gandharva-raksha, tasmat sarva-raksham kuru-kuru, vyaghra-gaja-singh-raksha, Rana-taskara-raksha, tasmat sarvam bandhayami Om Hlam Bagalamukhi Hum Phat Svaha.
ॐ ह्रीं भो बगलामुखि सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा।

Om Hreem Bho Bagalamukhi sarva dushtanam vacham mukham padam stambhaya jivham keelaya buddhim vinashaya Hleem Om Svaha.
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं बगलामुखि एहि–एहि पूर्व दिशायां बन्धय बन्धय इन्द्रस्य मुखं स्तम्भय स्तम्भय इन्द्र शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Bagalamukhi ehi-ehi purva-dishayam bandhaya-bandhaya Indrasya mukham stambhaya-stambhaya Indra-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं पीताम्बरे एहि–एहि अग्नि दिशायां बन्धय बन्धय अग्नि मुखं स्तम्भय स्तम्भय अग्नि शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं अग्नि स्तम्भनं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Peetambare ehi-ehi Agni-dishayam bandhaya-bandhaya agni- mukham stambhaya-stambhaya agni-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem agni-stambham kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं महिषमर्दिनि एहि–एहि दक्षिण दिशायां बन्धय बन्धय यमस्य मुखं स्तम्भय स्तम्भय यम शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं हृज्जृम्भणं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Mahish-mardini ehi-ehi Dakshina-dishayam bandhaya-bandhaya Yamasya- mukham stambhaya-stambhaya yama-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem hrajjrambhanam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चण्डिके एहि–एहि नैर्ऋत्य दिशायां बन्धय बन्धय नैर्ऋत्य मुखं स्तम्भय स्तम्भय नैर्ऋत्य शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Bagalamukhi ehi-ehi Nairartya-dishayam bandhaya-bandhaya Nairartya- mukham stambhaya-stambhaya nairartya-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं कराल नयने एहि–एहि पश्चिम दिशायां बन्धय बन्धय वरूण मुखं स्तम्भय स्तम्भय वरूण शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच

मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट्
स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Karala-nayane ehi-ehi Pashchima-dishayam bandhaya-bandhaya Varuna- mukham stambhaya-stambhaya Varuna-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ऐं ह्रीं श्रीं कालिके एहि–एहि वायव्य दिशायां बन्धय बन्धय वायु मुखं स्तम्भय स्तम्भय वायु शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Aim Hreem Shreem Kalike ehi-ehi vayavya-dishayam bandhaya-bandhaya Vayu- mukham stambhaya-stambhaya Vayu-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं महात्रिपुर सुन्दरी एहि–एहि उत्तर दिशायां बन्धय बन्धय कुबेर मुखं स्तम्भय स्तम्भय कुबेर शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट्
स्वाहा ।

Om Aim Hreem Shreem Maha-tripura-sundari ehi-ehi uttar-dishayam bandhaya-bandhaya Kuber- mukham stambhaya-stambhaya Kuber-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं महाभैरवी एहि–एहि ईशान दिशायां बन्धय बन्धय ईशान मुखं स्तम्भय स्तम्भय ईशान शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट्
स्वाहा ।

Om Aim-aim Maha-Bhairvi ehi-ehi Ishana-dishayam bandhaya-bandhaya Ishana- mukham stambhaya-stambhaya Ishana-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं गांगेश्वरि एहि–एहि उर्ध्व दिशायां बन्धय बन्धय ब्रह्माणं चतुर्मुखं स्तम्भय स्तम्भय ब्रह्म शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim-aim Gangeshvari ehi-ehi Udharva-dishayam bandhaya-bandhaya Brahmanam-chatur- mukham stambhaya-stambhaya Brahma-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ललितादेवि एहि–एहि अंतरिक्षदिशायां बन्धय बन्धय विष्णुमुखं स्तम्भय स्तम्भय विष्णु शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim-aim Lalita-devi ehi-ehi Antariksha-dishayam bandhaya-bandhaya Vishnu- mukham stambhaya-stambhaya Vishnu-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं चक्रधारिणि एहि–एहि अधो दिशायां बन्धय बन्धय वासुकिमुखं स्तम्भय स्तम्भय वासुकी शस्त्रं निवारय निवारय सर्व सैन्यं कीलय कीलय पच पच मथ मथ मर्दय मर्दय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लां बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Aim-aim Chakra-dharini ehi-ehi Adho-dishayam bandhaya-bandhaya Vasuki- mukham stambhaya-stambhaya Vasuki-shastram nivaraya-nivaraya sarva-sainyam keelaya-keelaya pacha-

pacha matha-matha mardaya-mardaya Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hlam Bagalamukhi hum phat Svaha.
दुष्टमन्त्रं दुष्टयन्त्रं दुष्ट पुरूषं बन्धयामि शिखां बन्ध ललाटं बन्ध भ्रुवौ बन्ध नेत्रौ बन्ध कर्णं बन्ध नासौ बन्ध ओष्ठौ बन्ध अधरौ बन्ध जिह्वां बन्ध हृदयं बन्ध कुक्षिं बन्ध हस्तौ बन्ध नाभिं बन्ध लिंगं बन्ध गुह्यं बन्ध उरू बन्ध जानू बन्ध जंघे बन्ध गुल्फौ बन्ध पादौ बन्ध स्वर्ग मृत्यु पातालं बन्ध बन्ध रक्ष रक्ष ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Dushta-mantram dushta-yantram dushta-purusham bandhayami shikham bandha lalatam bandha bhruvo bandha netre bandha karno bandha nasau bandha aushtthau bandha adharau bandha jivham bandh rasanam bandha buddhim bandha kanttham bandha hradayam bandha kukshim bandha hastau bandha nabhim bandha lingam bandha guhyam bandha uru bandha janu bandha janghe bandha gulfau bandha padau bandha svarga-mratu-patalam bandha-bandha raksha-raksha Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hleem Bagalamukhi hum phat Svaha.
ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि इन्द्राय सुराधिपतये ऐरावत–वाहनाय श्वेतवर्णाय वज्रहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान निरासय निरासय विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य (शत्रु का नाम लें) मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य (पुनः शत्रु का नाम लें) मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।
Om Aim-aim om Hleem Bagalamukhi Indraye suradhipataye eravata-vahanaye sveta-varnaye vajra-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana nirasaya-nirasaya vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya(recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya om Hleem amukasya (recite the name of enemy)mukham bhedaya-bhedaya om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.
ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि अग्नये तेजोधिपतये छागवाहनाय रक्तवर्णाय शक्तिहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं

अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्लीं वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Agnaye tejodhipataye Chhaga-vahanaye rakta-varnaye shakti-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि यमाय प्रेताधिपतये महिषवाहनाय कृष्णवर्णाय दण्ड हस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Yamaye pretadhipataye Mahisha-vahanaye krishana-varnaye Danda-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि वरूणाय जलाधिपतये मकर वाहनाय श्वेतवर्णाय पाशहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि–एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Varunaye jaladhipataye Makara-vahanaye shweta-varnaye pasha-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि वायव्याय मृगवाहनाय धूम्रवर्णाय ध्वजाहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Vayavyaye Mraga-vahanaye dhumra-varnaye Dhvaja-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि ईशानाय भूताधिपतये वृषभवाहनाय कर्पूरवर्णाय त्रिशूलहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Ishanaye Bhootadhipataye Vrashabha-vahanaye karpur-varnaye Trishula-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि ब्रह्मणे उर्ध्वदिग्लोकपालाधिपतये हंसवाहनाय श्वेतवर्णाय कमण्डलुहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Brahamane Udharva-diga-lokapaladhipataye Hansa-vahanaye shveta-varnaye Kamandalu-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of

enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ ऐं ऐं ॐ ह्लीं बगलामुखि वैष्णवी सहिताय नागाधिपतये गरूड़वाहनाय श्यामवर्णाय चक्रहस्ताय सपरिवाराय एहि एहि मम विघ्नान विभंजय विभंजय ॐ ह्लीं अमुकस्य । शत्रु का नाम लें । मुखं स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्लीं अमुकस्य मुखं भेदय भेदय ॐ ह्ली वश्यं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim-aim Om Hleem Bagalamukhi Vaishnavi sahitaye Nagadhipataye Garuda-vahanaye shyama-varnaye Chakra-hastaye saparivaraye ehi-ehi mama vighnana vibhanjaya-vibhanjaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham stambhaya-stambhaya Om Hleem amukasya (recite the name of enemy) mukham bhedaya-bhedaya Om Hleem vashyam kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ नमो भगवति पुण्य पवित्रे स्वाहा।

ॐ ह्लीं बगलामुखि नित्यम् एहि एहि रविमण्डलमध्याद् अवतर अवतर सान्निध्यं कुरू कुरू। ॐ ऐं परमेश्वरीम् आवाहयामि नमः। मम सान्निध्यं कुरू कुरू। ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om namo Bhagawati Punya-pavitre Svaha.
Om Hleem Bagalamukhi nityam ehi-ehi Ravi-mandala-madhyad avatara-avatara sanindhyama kuru-kuru. Om Aim Parmeshvarim aavahayami namah. Mama Sanindhyam kuru-kuru. Om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः बगले चतुर्भुजे मुद्गरशरसंयुक्ते दक्षिणे जिह्वावज्र संयुक्ते वामे श्री महाविद्ये पीतवस्त्रे पंचमहाप्रेताधिरूढे सिद्धविद्याधरवन्दिते ब्रह्मा–विष्णु–रूद्र–पूजिते आनन्दस्वरूपे विश्व–सृष्टि–स्वरूपे महाभैरवरूप–धारिणि स्वर्ग–मृत्यु–पाताल–स्तम्भिनि वाम–मार्गाश्रिते श्रीबगले ब्रह्मा–विष्णु–रूद्ररूप–निर्मिते षोडशकला–परिपूरिते दानवरूपसहस्त्रादित्य शोभिते त्रिवर्णे एहि एहि मम हृदयं प्रवेशय प्रवेशय शत्रुमुखं स्तम्भय स्तम्भय अन्य

भूत–पिशाचान् खादय खादय अरिसैन्यं विदारय विदारय परविद्यां परचक्रं छेदय छेदय वीरचक्रं धनुषां संभारय संभारय त्रिशूलेन छिन्धि छिन्धि पाशेन बन्धय बन्धय भूपतिं वश्यं कुरू कुरू संमोहय संमोहय बिना जाप्येन सिद्धय सिद्धय बिना मन्त्रेण सिद्धिं कुरू कुरू सकलदुष्टान् घातय घातय मम त्रैलोक्यं वश्यं कुरू कुरू सकल कुल राक्षसान् दह दह पच पच मथ मथ हन हन मर्दय मर्दय मारय मारय भक्षय भक्षय मां रक्ष रक्ष विस्फोटकादीन् नाशय नाशय ॐ ह्रीं विषम ज्वरं नाशय नाशय विषं निर्विषं कुरू कुरू ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा।

Om Aim Hreem Shreem Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlanh Bagale Chatur-bhuje mudgara-shar-sanyukte dakshine jivha-vajra-sanyukte vame Shri Maha-vidhye peet-vastre pancha-maha-pretadi-rudhe siddha-vidhyadhar-vandite Brahama-Vishnu-Rudra-pujite ananda-svarupe Vishva-srashti-svarupe Maha-Bhairava-rupa-dharini Svarga-mratyu-patala-stambhini vama-marga-ashrite Shri Bagle-Brahma-Vishnu-Rudra-rupa-nirmite shodasha-kala-pari-purite Danava-rupa-sahastra-aditya-shobhite tri-varne ehi-ehi mama hradayam praveshaya-praveshaya shatrun-mukham stambhaya-stambhya anya-bhoota-pishacchan khadaya-khadaya ari-sainyam vidaraya-vidaraya para-vidhyam para-chakram chhedaya-chhedaya veer-chakram dhanusham sambharaya-sambharaya trishulen chhindhi-chhindhi pashen bandhaya-bandhaya bhupatim vashyam kuru-kuru sammohaya-sammohaya vina-japyen siddhaya-siddhaya vine mantren siddhim kuru-kuru sakal dushtan ghataya-ghataya mama trailokyam vashyam kuru-kuru sakala-kul-rakshasan daha-daha pacha-pacha matha-matha hana-hana mardaya-mardaya maraya-maraya bhakshaya-bhakshaya maam raksha-raksha visphotakadin nashaya-nashaya om Hreem visham-jvaram nashaya-nashaya visham nirvisham kuru-kuru om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

ॐ क्लीं क्लीं ह्लीं बगलामुखि सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय स्ताम्भय जिह्वां कीलय कीलय बुद्धिं विनाशय विनाशय क्लीं क्लीं ह्लीं स्वाहा।

Om Kleem Kleem Hleem Bagalamukhi sarva-dushtanam vacham mukham padam stambhaya-stambhaya jivham keelaya-keelaya buddhim vinashaya-vinashaya kleem kleem Hleem Svaha.

ॐ बगलामुखि स्वाहा ।
ॐ पातीम्बरे स्वाहा ।
ॐ त्रिपुर भैरवी स्वाहा ।
ॐ विजयायै स्वाहा ।
ॐ जयायै स्वाहा ।
ॐ शारदायै स्वाहा ।
ॐ सुरेश्वर्यै स्वाहा ।
ॐ रूद्राण्यै स्वाहा ।
ॐ विन्ध्यवासिन्यै स्वाहा ।
ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै स्वाहा ।
ॐ दुर्गायै स्वाहा ।
ॐ भवान्यै स्वाहा ।
ॐ भुवनेश्वर्यै स्वाहा ।
ॐ महामायायै स्वाहा ।
ॐ कमललोचनायै स्वाहा ।
ॐ तारायै स्वाहा ।
ॐ योगिन्यै स्वाहा ।
ॐ कौमार्यै स्वाहा ।
ॐ शिवायै स्वाहा ।
ॐ इन्द्राण्यै स्वाहा ।
ॐ ह्लीं बगलामुखि हुं फट् स्वाहा ।

Om Bagalamukhi Svaha.
Om peetambare Svaha.
Om Tripura-Bhairavi Svaha.

Om VijayayaiSvaha.
Om Jayayau Svaha.
Om Shardayai Svaha.
Om Sureshvaryai Svaha.
In Rudranyai Svaha.
Om Vindhaya-vasinyai Svaha.
Om Tripura-sundaryai Svaha.
Om Durgayai Svaha.
Om Bhavanyai Svaha.
Om Bhuvaneshvaryai Svaha.
Om Maha-mayayai Svaha.
Om Kamala-lochanayai Svaha.
Om Tarayai Svaha.
Om Yoginyai Svaha.
Om Kaumaryai Svaha.
Om Shivayai Svaha.
Om Shivayai Svaha.
Om Indranyai Svaha.
Om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.
ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः शिरो रक्षतु बगलामुखि रक्ष रक्ष स्वाहा।
ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः भालं रक्षतु पीताम्बरे रक्ष रक्ष स्वाहा।
ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः नेत्रे रक्षतु महाभैरवी रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः कर्णौ रक्षतु विजये रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः नासौ रक्षतु जये रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः वदनं रक्षतु शारदे रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः कण्ठं रक्षतु रूद्राणि रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः स्कन्धौ रक्षतु विन्ध्यवासिनिरक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः बाहू रक्षतु त्रिपुरसुन्दरी रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः करौ रक्षतु दुर्गे रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः हृदयं रक्षतु भवानि रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः उदरं रक्षतु भुवनेश्वरि रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः नाभिं रक्षतु महामाये रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः कटिं रक्षतु कमललोचने रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः उदरं रक्षतु तारे रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लीं सर्वांगं रक्षतु महातारे रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः अग्रे रक्षतु योगिनि रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः पृष्ठे रक्षतु कौमारि रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः दक्षिणपार्श्वे रक्षतु शिवे रक्ष रक्ष स्वाहा।

ॐ ह्लां ह्लीं ह्लूं ह्लैं ह्लौं ह्लः वामपार्श्वे रक्षतु इन्द्राणि रक्ष रक्ष स्वाहा।

Om Hleem Shiva-tatva-vyapini Bagalamukhi Svaha.
Om Hleem Maya-tatva-vyapini Bagalamukhi hradayaye Svaha.
Om Hleem Vidhya-tatva-vyapini Bagalamukhi shires Svaha.
Om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah shiro rakshatu
Bagalamukhi raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Bhalam rakshatu
Pitambare raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Netre rakshatu
Maha-Bhairavi raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Karnau rakshatu
Vijaye raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Nasau rakshatu
Bagalamukhi raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah shiro rakshatu
Jaye raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Vadanam rakshatu
Sharade raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Kanttham rakshatu
Rudrani raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah skandhau rakshatu
Vindhaya-vasini raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Bahoo rakshatu
Tripura-sundari raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Karau rakshatu
Durge raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Hradayama rakshatu
Bhavani raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah udaram rakshatu
Bhuvaneshvari raksha-raksha Svaha.
Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Nabhim rakshatu
Mahamaye raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Katim rakshatu
Kamal-lochane raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Udaram rakshatu
Tare raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Sarvangam rakshatu
Mahatare raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Agre rakshatu
Yogini raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Prashtthe rakshatu
Kaumari raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Dakshina-Pasharve rakshatu
Shive raksha-raksha Svaha.

Om Hlam Hleem Hloom Hlaim Hlaum Hlah Vama-pasharve rakshatu
Indrani raksha-raksha Svaha.

Om gam geem goom gaim gaum gah ganapataye sarva-jana-mukha-stambhanaye agachchha-agachchha mama vighnana nashaya-nashya dushtam khadaya-khadaya dushtashya mukham stambhaya-stambhaya akal-mratum hana-hana Bho ganadhipate Om Hleem vashyam kuru-kuru Om Hleem Bagalamukhi Hum Phat Svaha.

About The Author

Name :- **Shri Yogeshwaranand Ji**
Mb :- **+919917325788, +919410030994**
Email ;- **shaktisadhna@yahoo.com**
Web : **www.anusthanokarehasya.com**
www.baglamukhi.info

My dear readers! Very soon I am going to start an E-mail based monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at shaktisadhna@yahoo.com. Thanks

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji

1. **Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi**

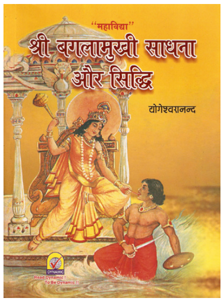

2. **Mantra Sadhna**

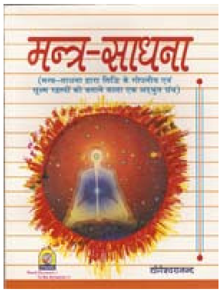
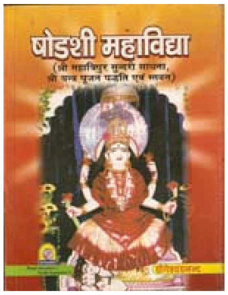
3. **Shodashi Mahavidya**